

हरिभूमि
रायपुर भूमि

टामन को वीआईपी ट्रीटमेंट, अब बंदियों को जेल से बाहर ले जाने से पूर्व जेल प्रहरी लगाएंगे बॉडीवार्न कैमरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की टीम ने स्टिंग ऑपरेशन कर किया था खुलासा

सीजीपीएससी घोटाले के प्रमुख आरोपियों में शामिल टामन सिंह सोनवानी को अस्पताल में वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने के हरिभूमि- आईएनएच के खुलासे को जेल डीजी हिमांशु गुप्ता ने गंभीरता से लिया है। जेल डीजी ने बंदियों को न्यायालयीन, प्रशासनिक कार्य तथा अन्य मामलों के लिए ले जाते समय सुरक्षा उपाय बढ़ाने गुरुवार को आदेश जारी किया। सुरक्षा स्टाफ को सुरक्षा उपाय करने के साथ ही बॉडीवार्न कैमरे लगाने निर्देश जारी किए हैं। टामन सिंह सोनवानी को अस्पताल में वीआईपी ट्रीटमेंट देने का वीडियो वायरल होने तथा खबर प्रकाशन के बाद जेल मुख्यालय ने सुरक्षा उपाय सख्त करने निर्देश दिए हैं। सोनवानी की मदद करने वाले सुरक्षा में तैनात तीन जेल प्रहरियों को बर्खास्त कर दिया गया है। अब जेल से इलाज, प्रशासनिक या न्यायालयीन कार्यों के लिए बाहर ले जाए जाने वाले विचाराधीन, दंडित और अन्य बंदियों की सुरक्षा को लेकर जेल मुख्यालय एवं सुधारात्मक सेवाएं की ओर से नए निर्देश जारी किए हैं। बंदियों को बाहर ले जाते समय जेल ⏭शेष पेज 13 पर


हरिभूमि-आईएनएच चैनल के स्टिंग आपरेशन पर हुई कार्रवाई

पीएससी घोटाले के आरोपी सोनवानी को स्पेशल ट्रीट, तीन जिम्मेदार, एक बर्खास्त

आरोपी को हथकड़ी नहीं लगाई, पत्नी से मुलाकात भी कराई

तीन को माना गया जिम्मेदार

खबर का असर

गतिविधियां रिकार्ड होंगी

निर्देश में सुरक्षा स्टॉफ को अन्य जिम्मेदारियों के साथ बॉडीवॉर्न कैमरा धारण करने के लिए भी कहा गया है। इससे बंदी को जेल से बाहर ले जाने और वापस लाने के दौरान होने वाली गतिविधियों की रिकार्डिंग की जा सकेगी। माना जा रहा है कि इससे सुरक्षा व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ेगी और बंदियों की निगरानी भी अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगी।

पुलिस से समन्वय

जेल मुख्यालय ने पुलिस सुरक्षा के साथ विचाराधीन, दंडित या अन्य बंदियों को जेल से बाहर भेजे जाने वाले मामलों में जेल अधीक्षक को संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से समन्वय कर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं, यानी अस्पताल अथवा अन्य स्थान पर ले जाते समय जेल और पुलिस प्रशासन के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेहतर तालमेल सुनिश्चित किया जाएगा। ये निर्देश सभी जेल अधीक्षकों को भेजे गए हैं और बंदियों को जेल से बाहर ले जाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

ये हैं जेल डीजी के निर्देश

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने गुरुवार को जारी निर्देशों में उल्लेख किया है कि विचाराधीन, दंडित अथवा अन्य बंदियों को यदि प्रशासनिक, न्यायालयीन, चिकित्सा या अन्य कारणों से जेल परिसर से बाहर भेजा जाता है तो सुरक्षा स्टाफ के साथ जेल में उपलब्धता के अनुसार सहायक जेल अधीक्षक या वरिष्ठ रैंक के अधिकारी को भी भेजा जाए।

मानव तस्करों ने बदला सिस्टम, अब जनरल नहीं, एसी और स्लीपर में सफर, साथ में भीड़ नहीं दो या तीन ही बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक साल में रेलवे स्टेशन और ट्रेनों से 270 बच्चे सुरक्षित बचाए गए

रोजगार का झांसा देकर नाबालिग बच्चों को दूसरे शहरों तक ले जाने वाले तस्करों ने अब रेलवे में अपना तरीका बदल दिया है। पहले जहां कई बच्चों को एक साथ लेकर सफर करने के मामले सामने आते थे, वहीं अब तस्कर बच्चों को छोटे-छोटे समूहों में बांटकर अलग-अलग ट्रेनों और कोच से ले जा रहे हैं। इससे रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में जांच के दौरान एक साथ बड़ी संख्या में बच्चे दिखाई नहीं देते और संदेह से बचने की कोशिश की जाती है। रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन, आरपीएफ और जीआरपी की कार्रवाई के दौरान पिछले एक ⏭शेष पेज 13 पर

खास खबर

ऐसे चलता है तस्करी का खेल

जांच में सामने आए मामलों के अनुसार बच्चों को अक्सर रोजगार दिलाने के बहाने महानगरों तक ले जाया जाता है। झारखंड और पश्चिम बंगाल के गरीब परिवारों के बच्चों को दूसरे राज्यों में काम दिलाने के नाम पर ले जाने के मामले सामने आए हैं। कुछ मामलों में आर्थिक मजबूरी के कारण परिजन भी बच्चों को तस्करों के साथ भेज देते हैं। तस्कर बच्चों को एक साथ ले जाने के बजाय 2-3 बच्चों के छोटे समूह बनाकर यात्रा करते हैं। एक साथ 10 बच्चों को ले जाना हो तो अलग-अलग तस्करों के साथ उन्हें बांटकर भेजने की कोशिश की जाती है।



बच्चों को बचाकर परिजनों के सुपुर्द किया

विगत एक वर्ष में रेलवे स्टेशन परिसर, ट्रेनों, प्लेटफॉर्म पर लगभग 270 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया है और सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के आदेश पर उनके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया है। स्टेशन परिसर में रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम निरंतर कार्य कर रही है। - ***विजय कुमार साहू**, प्रभारी, रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन*

एक ही ट्रेन से नहीं करते पूरी यात्रा

तस्कर पकड़ से बचने के लिए कई बार पूरी यात्रा एक ही ट्रेन से नहीं करते। उदाहरण के तौर पर झारखंड से मुंबई जाने वाले बच्चों को अलग-अलग ट्रेनों और अलग-अलग स्थानों के रास्ते आगे भेजने की कोशिश की जाती है। इससे निगरानी के दौरान एक ही व्यक्ति और बच्चों का समूह लगातार नजर में नहीं रहता। कुछ मामलों में स्कूल की आईडी या अन्य पहचान से जुड़े दस्तावेजों का सहारा लेकर बच्चों को सामान्य यात्री के रूप में पेश करने की कोशिश की जाती है।

बातचीत कर स्थिति समझने पर भी ध्यान

रेलवे और चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम अब केवल बच्चों की शक्ल या कपड़ों के आधार पर संदेह नहीं करती, क्योंकि कुछ मामलों में बच्चों को अच्छे कपड़े पहनाकर सामान्य यात्री जैसा दिखाने की कोशिश की गई है। अब बच्चों से सामान्य बातचीत कर उनकी स्थिति समझने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से यदि झारखंड या पश्चिम बंगाल का कोई नाबालिग अपने माता-पिता या परिजनों के बिना यात्रा करता मिलता है तो उससे बातचीत कर यात्रा का उद्देश्य और साथ मौजूद व्यक्ति के बारे में जानकारी ली जाती है। गांवों से आने वाले कई बच्चे अपरिचित लोगों के सामने बात करने में झिझकते हैं, इसलिए उनसे सहज तरीके से जानकारी लेने की कोशिश की जाती है।

शोएब फरार, छापे की जानकारी लीक करने पर एसीसीयू के दो आरक्षक किए गए लाइन अटैच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ की फिरौती मांगने और धमकी देने के आरोपी शोएब ढेबर तक गिरफ्तारी की जानकारी पहुंचाने के आरोप में क्राइम डीसीपी स्मृतिक राजनाला ने दो आरक्षकों को लाइन अटैच कर दिया है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में आरक्षक को लाइन अटैच करने की बात कही जा रही है।

- आरक्षक पर शोएब तक छापे की जानकारी पहुंचाने का आरोप

डीसीपी ने आरक्षक शिवम द्विवेदी एवं राहुल सिंह गौतम को लाइन अटैच कर दिया है। आरक्षकों पर गोपनीय जानकारी को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने शोएब की तलाश में शहर के कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही वहां से निकल चुका था। शोएब की दोबारा गिरफ्तारी के लिए अदालत से अनुमति मिलने के बाद उसके छिपने के संभावित आधा दर्जन ठिकानों पर पुलिस ने छापेमारी की थी। खम्हारडीह स्थित निवास में उसके छिपे होने का पुलिस के पास पुख्ता इनपुट था। पुलिस जब वहां पहुंची तो वो वहां से शोएब फरार हो चुका था, पुलिस को बैरंग लौटना पड़ा। दूसरे राज्य भागने की आशंका को देखते हुए संभावित ठिकानों और संपर्कों पर भी नजर रख रही है।



हाइकोर्ट में लंबित 175 से अधिक मामलों में अफसरों ने पेश नहीं किया जवाब-दावा, मिली 15 दिन की वार्निंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में लंबित पौने दो सौ से अधिक मामले में अफसरों ने जवाबदावा पेश नहीं किया है। इन मामलों में राज्य शासन, आयुक्तों, संयुक्त संचालकों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की ओर से जवाबदावा प्रस्तुत किया जाना था।

खास खबर

अब नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 15 दिनों के भीतर जवाबदावा पेश नहीं किया गया तो लापरवाह अधिकारियों और प्रभारी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ये है मामला

इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी संयुक्त संचालकों, सभी नगर निगम आयुक्त, सभी नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को निर्देश जारी किए हैं। प्रकरणों में लंबे समय से जवाबदावा प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से कतई उचित नहीं है। जवाबदावा प्रस्तुत न करने का कारण भी स्पष्ट नहीं किया जाता है।

ये सभी सेवा, प्रशासनिक, सिविल एवं संपत्ति संबंधी मामले



लंबित मामलों की कुल संख्या और उनकी प्रकृति

24 अगस्त तक की स्थिति में छत्तीसगढ़ के विभिन्न संभागों (रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर और बस्तर) के अंतर्गत कुल 170 से अधिक महत्वपूर्ण न्यायालयीन प्रकरणों में राज्य शासन, आयुक्तों, संयुक्त संचालकों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की ओर से जवाबदावा प्रस्तुत किया जाना लंबित है। इन मामलों की मुख्य प्रकृति और श्रेणियां इस प्रकार हैं। सेवा और प्रशासनिक मामले, इसमें शिक्षकों की भर्ती, नियमितीकरण, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की सेवाएं, अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन भुगतान, उपादान (ग्रेच्युटी) राशि, समयमान-वेतनमान, निलंबन और तबादला आदेशों के विरुद्ध दायर याचिकाएं शामिल हैं। सिविल एवं संपत्ति संबंधी मामले, भूमि अर्जन, मुआवजा भुगतान, अवैध निर्माण, अतिक्रमण हटाने, भवन अनुज्ञा (परमिशन), टावर लगाने, पीएम आवास योजना, दुकानों के आवंटन और संपत्ति कर से जुड़े विवादित प्रकरण। जनहित याचिकाएं एवं स्थानीय निकाय चुनाव, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, वार्डों के परिसीमन, अविश्वास प्रस्ताव और नगर निकायों/पंचायतों के गठन से संबंधित मामले।

प्रशासनिक लापरवाही और चेतावनी

कई मामलों में कोर्ट द्वारा निर्देश मिलने और प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए जाने के बावजूद लंबे समय तक जवाब पेश नहीं किया गया, जिससे प्रशासनिक और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। अपर संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा स्पष्ट किया गया है कि 15 दिन की समयावधि बीतने के बाद किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है। इसके साथ ही, जवाब-दावा प्रस्तुत करने के बाद उसकी एक प्रति शासन एवं संचालनालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खबर संक्षेप



सेवानिवृत्ति के बाद भी मिलेगा उनके अनुभव का लाभ : कमल

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने इंद्रावती भवन में अपर संचालक भूपेंद्र पांडेय और संयुक्त संचालक नंदलाल चौधरी के सेवानिवृत्त होने पर अभिनंदन समारोह आयोजित कर उनका सम्मान किया। संघ के पदाधिकारियों ने दोनों के संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए उनका सम्मान किया। प्रदेश अध्यक्ष कमल वर्मा ने कहा, संघ को प्रदेशभर में संगठित करने और गतिविधियों को गति देने में दोनों अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन को मिलता रहेगा। नंदलाल चौधरी ने कहा, संगठन की एकजुटता और संघर्ष से शासकीय सेवकों को महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिले हैं। उन्होंने कर्मचारी-अधिकारी संगठनों से भविष्य में भी एकजुटता बनाए रखने का आव्हान किया।

पहले माहभर में दस हजार कारें बिकती थीं, अब बिक रहीं दो हजार से कम

टैक्स-ई-20 पेट्रोल की मार, 80 फीसदी चौपट हो गया पुरानी कारों का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम आदमी का सपना अपने घर के साथ ही कार का भी होता है। जो मध्यम वर्ग नई कार नहीं ले पाते, वे पुरानी कार खरीदकर अपना सपना पूरा करते हैं। प्रदेश में कुछ समय पहले तक पुरानी कारों का बड़ा कारोबार होता था। हर माह नई कारों से डबल करीब दस हजार से ज्यादा कारें बिकती थीं, लेकिन अब पुरानी कारों का धंधा 80 फीसदी चौपट हो गया है। इसके पीछे का कारण कारोबारी टैक्स और ई-20 पेट्रोल को बताते हैं। इस कारण अब हर माह मुश्किल से दो हजार कारें ही बिक पा रही हैं। आने वाले समय में इसका कारोबार पूरी तरह से चौपट होने की संभावना है।

हरिभूमि सरोकार

अपने प्रदेश में भी पुरानी कारों का बड़ा बाजार है। राजधानी रायपुर के साथ ही दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर और कोरबा सहित कई शहरों में पुरानी कारें बेचने वाले बहुत कारोबारी हैं। सबसे बड़ा कारोबार दुर्ग-भिलाई और रायपुर में होता है। रायपुर में तो मारुति कार बेचने वाली कंपनी का भी पुरानी कारें बेचने का कारोबार है। अन्य शहरों में भी मारुति कार कंपनी के डीलर पुरानी कारें बेचते हैं। कुछ और कंपनियों के डीलर भी पुरानी कारें बेचने का काम करते हैं।



कम बजट की कारें ही बिक रहीं

कारोबारियों के मुताबिक, अभी जो हर माह दो हजार कारें बिक रही हैं, वे सब कम बजट वाली हैं। इनकी कीमत एक से तीन लाख है। ज्यादा बजट वाली कारें लेने से लोग बच रहे हैं। पांच से दस लाख बजट वाली कारों का कारोबार लगभग नहीं के बराबर हो गया है। जिनके पास पांच से दस लाख का बजट है, वे इतने बजट वाली नई कार लेना पसंद कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, जिन कारोबारियों के यहां हर माह 50 से 100 कारें बिक जाती थीं, अब मुश्किल से 10 से 20 कारें ही बिक रही हैं। कई कारोबारियों का खर्च निकलना भी मुश्किल हो गया है। कारोबारी कहते हैं कि आने वाले समय में यह कारोबार ही बंद करना पड़ेगा।

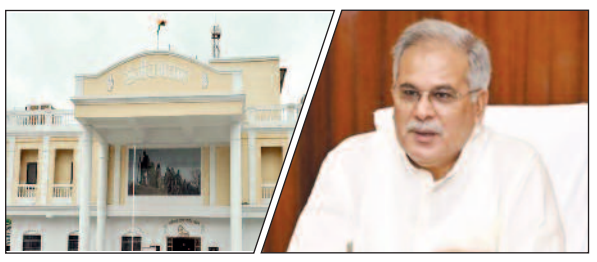
ई-20 पेट्रोल का भी असर

कारोबारी कहते हैं कि ई-20 पेट्रोल को लेकर जिस तरह की बातें सामने आ रही हैं, उसके कारण भी अब लोग पुरानी कारें लेने से बच रहे हैं। इनको लगता है कि पुरानी कार लेने के बाद एक-दो माह में ही अगर इंजन खराब हो गया तो उसे ठीक कराने में बड़ा खर्च लग सकता है। इसलिए अब लोग पुरानी कारें लेने से कतरा रहे हैं।

टैक्स के कारण बड़ा झटका

पुरानी कारों का कारोबार करने वालों के मुताबिक, बीते साल सितंबर से पहले तक प्रदेश में पुरानी कारों का कारोबार बहुत ज्यादा होता था। प्रदेश में हर माह नई कारें तो चार से पांच हजार बिकती हैं, लेकिन पुरानी कारें पहले हर माह 10 से 12 हजार तक बिक जाती थीं। सितंबर में जहां नई कारों पर जीएसटी कम कर दिया गया, वहीं पुरानी कारों के बेचने पर भी टैक्स लगा दिया गया। पुरानी कार लेने पर अब कार की शोरूम कीमत पर ही एक प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है। अगर कार की कीमत दस लाख है तो भले वह कार दस साल ही पुरानी क्यों न हो और इसके दाम दो लाख हों, लेकिन एक प्रतिशत टैक्स दस लाख पर देना पड़ता है। इस टैक्स के साथ ही नाम परिवर्तन सहित अन्य खर्च मिलाकर 20 से 25 हजार का खर्च हो जाता है। ऐसे में पुरानी कारों का धंधा कम हो गया है। नई कारों पर जीएसटी कम होने के कारण लोग अब कम बजट वाली नई कार ले रहे हैं।

भूपेश ने महंगाई समेत कई मुद्दों पर सरकार पर साधा निशाना



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को कई मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। आरडीए जमीन विवाद, एलपीजी और दूध के बढ़ते दाम, आयुष्मान योजना में कार्रवाई, नगर निगम में अधिकारियों और महापौर के बीच विवाद, महानदी जल विवाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर उन्होंने राज्य सरकार से सवाल किए।

रसोई गैस और दूध की कीमत में बढ़ोतरी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महंगाई का असर अभी और बढ़ने वाला है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और दूध के दाम बढ़ेंगे। श्री बघेल ने सरकार पर महंगाई रोकने के बजाय लोगों को सलाह देने का आरोप लगाया।

आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों पर हो रही कार्रवाई को लेकर भूपेश बघेल ने सवाल उठाया कि यदि अस्पतालों में लापरवाही हो रही थी तो सरकार तीन साल तक क्या कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के लोग अपने विभाग का काम छोड़कर दूसरे मामलों में ज्यादा व्यस्त हैं। जमीन का काम, गर्लफ्रेंड को मकान दिलवाना और दूसरे कामों में लगे हैं। उन्होंने सरकार से अपने-अपने विभागों पर ध्यान देने की बात कही।

यही सरकार का सुशासन

नगर निगम में अधिकारियों और महापौर के बीच चल रहे विवाद को लेकर भी भूपेश बघेल ने सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, यही सरकार का सुशासन है। श्री बघेल ने कहा, आखिर ऐसा दुस्साहस क्यों हुआ? नेताओं की कमजोरी पकड़ लिए जाने के कारण ऐसी स्थिति बनी है।

धर्मांतरण के मुद्दे पर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग

साहू समाज द्वारा धर्मांतरण को लेकर जताई जा रही चिंता पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा, केवल गंभीर होने की बात करने से काम नहीं चलेगा, सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। समाज अपनी ओर से कदम उठा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही। श्री बघेल ने तंज कसते हुए कहा, सरकार के कदम इतने ठोस हैं कि उठ ही नहीं रहे।

छत्तीसगढ़ में एसआईआर पर पूर्व मंत्री अकबर का खुलासा

जीत-हार के अंतर से चार गुना मतदाताओं के नाम विलोपित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चुनाव आयोग के क्रियाकलापों को लेकर देशभर में मचे सियासी घमासान के बीच छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने राज्य में हुई एसआईआर की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कुल मतों का अंतर 6 लाख 32 हजार 382, यानी 4.04 प्रतिशत वोट का था, जबकि एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची में 24 लाख 99 हजार 823 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई।



यह संख्या दोनों प्रमुख दलों के बीच मतों के अंतर की लगभग चार गुना है। इनमें से 19 लाख 13 हजार 540 मतदाताओं को शिफ्टेड श्रेणी में चिन्हित किया गया। ये वे लोग हो सकते हैं, जो रोजगार, कामकाज, शिक्षा अथवा अन्य कारणों से अपने पंजीकृत पते पर उपलब्ध नहीं थे। केवल किसी दिन घर पर अनुपस्थित होने या गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं होने के आधार पर किसी व्यक्ति की स्थायी अनुपस्थिति अथवा मतदाता के रूप में अपात्रता मान लेना गंभीर चिंता का विषय है। आयोग ने खुद ही इन्हें अनुपस्थित माना है, तो जाहिर है संबंधित मतदाताओं को व्यक्तिगत नोटिस देकर अपना पक्ष रखने और दस्तावेज प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला।

एसआईआर पर कांग्रेस भ्रम फैला रही : भाजपा

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के एसआईआर प्रक्रिया संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जनता में भ्रम पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में एसआईआर और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठकों में कांग्रेस के प्रतिनिधि शामिल होते हैं और प्रक्रिया की जानकारी लेते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, मतदाता सूची से नाम हटाने या जोड़ने का अधिकार राजनीतिक दलों के पास नहीं है। बीएलओ के भौतिक सत्यापन, दावे-आपत्तियों और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही कार्रवाई होती है। उन्होंने कांग्रेस पर चुनावी हार का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ने और मतदाताओं में अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने मंत्री के परिवार को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया, भाजपा बोली-आरोप दुर्भावनावश

आरडीए की जमीन पर भिड़ी कांग्रेस-भाजपा





हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस ने रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) की एमआर-43 नगर विकास योजना में मंत्री केदार कश्यप के परिवार से जुड़ी कंपनी को कथित रूप से असामान्य लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने योजना से जुड़े दस्तावेजों और प्रावधानों का हवाला देते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग की है। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने गुरुवार को आरडीए के सामने प्रदर्शन भी किया इधर, भाजपा ने इसे साजिश करार देते हुए पलटवार किया है। आरडीए ने भी कहा है कि प्रक्रिया नियमानुसार है। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, राधिका पैलेस प्राइवेट लिमिटेड की कचना स्थित करीब 1.33 एकड़ मूल भूमि खसरा नंबर 658/2 में है। कांग्रेस का दावा है कि यह जमीन नालापारा बस्ती के भीतर संकरी सड़क से जुड़ी है, जिसकी चौड़ाई 10 फीट से भी कम है। आरोप है कि आरडीए की योजना में इस जमीन के बदले सड्डू में बलौदाबाजार रोड के पास करीब 23,327 वर्गफीट का अंतिम भूखंड, प्लॉट नंबर 25 प्रस्तावित किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने इस अंतिम भूखंड की संभावित कीमत सड़क निर्माण के बाद 20 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया और सवाल किया कि कचना की संकरी पहुंच वाली जमीन के बदले सड्डू की मुख्य सड़क के पास जमीन देने का आधार क्या है?

विकास योजनाओं पर कांग्रेस भ्रम फैला रही : भाजपा

आरडीए की एमआर-43 नगर विकास योजना में मंत्री की पत्नी से जुड़ी कंपनी को भूखंड दिए जाने के कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने आरोपों को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित और तथ्यहीन बताया। उन्होंने कहा, नगर विकास योजनाओं में जमीन के पुनर्गठन और विकसित भूखंड देने की प्रक्रिया निर्धारित नीति के तहत होती है। आरडीए की वेबसाइट पर कचना, लभांडी और सड्डू क्षेत्र की प्रस्तावित टाउन डेवलपमेंट प्लान संबंधी अधिसूचनाएं भी दर्ज हैं। उन्होंने कहा, बड़े भूखंडों को प्रमुख सड़क के किनारे तथा छोटे भूखंडों को पीछे की ओर देने की योजना परिवहन और भविष्य के व्यावसायिक उपयोग को ध्यान में रखकर बनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि इस योजना में करीब 17 भू-स्वामियों के भूखंडों का पुनर्गठन किया गया है और किसी एक व्यक्ति को विशेष लाभ नहीं दिया गया।

पूरी प्रक्रिया नियमानुसार और पारदर्शी : शर्मा

आरडीए उपाध्यक्ष डॉ. जेपी शर्मा ने कहा, विकास योजना के तहत अनियमित आकार के भूखंडों को व्यवस्थित कर संबंधित गांव में ही भूखंड आवंटित किए गए हैं। 2000 वर्गमीटर से बड़े भूखंडों को सड़क किनारे और छोटे भूखंडों को पीछे रखने की योजना है। उनके अनुसार पूरी प्रक्रिया नियमानुसार और पारदर्शी है।

कांग्रेसियों ने घेरा आरडीए मुख्यालय



शहर जिला कांग्रेस ने गुरुवार को रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) मुख्यालय का घेराव कर जमीन आवंटन के एक मामले की जांच और श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता आरडीए कार्यालय पहुंचे और धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री केदार कश्यप और आवास मंत्री ओपी चौधरी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

दो घंटे तक चला प्रदर्शन: प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेस नेताओं को रोकने का प्रयास किया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य प्रवेश की सीढ़ियों पर बैठ गए और नारेबाजी करते हुए धरना जारी रखा। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने जमीन आवंटन को लेकर आरडीए से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

11 ब्लॉक में मनाई स्व. भारद्वाज की जयंती



रायपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सारंगढ़ से छह बार के सांसद रहे स्व. परसराम भारद्वाज की जयंती ग्रामीण कांग्रेस के सभी 11 ब्लॉकों में मनाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने राजीव भवन पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री बंजारे ने कहा, स्व. भारद्वाज का जीवन संगठन, जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। ब्लॉक स्तर पर हुए कार्यक्रमों में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान को याद कर संगठनात्मक मूल्यों और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

CHANGE OF NAME

I, ROBBY, S/o Sujit Kumar, residing at L-103, Ram Niketan, Saddu Baroda Marg, Raipur, Dist. Raipur (C.G.), have changed the name of my minor daughter from APURVA SINHA to APURVA SRIVASTAVA for all future and official purposes vide an affidavit dated 21/09/2026 sworn before Notary Public Chandrakant Sharma at Raipur. Henceforth, she shall be known as APURVA SRIVASTAVA.

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 8742 दिनांक 08.09.2009 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-27 में आबंटित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एफ3सी-22/201, को श्रीमति नम्रता डोरा पति श्री नरेश कुमार डोरा, के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 28.06.2013 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 480 दिनांक 09.01.2014 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में श्रीमति नम्रता डोरा पति श्री नरेश कुमार डोरा, निवासीः- प्लॉट नं.-11, ब्लॉक नं.-09, नेहरू नगर, वेस्ट मोतीलाल नेहरू नगर भिलाई, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) उक्त प्रकोष्ठ भवन को क्रेता श्रीमति नीलिमा साहू पति श्री हेमशंकर साहू निवासः- मकान नं.-307, संगम पारा, ग्राम व पोस्ट- बाना, तहसील- आरंग, जिला-रायपुर(छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-27 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एफ3सी-22/201, के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-नवा रायपुर अटल नगर

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 287 दिनांक 13.01.2011 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-27 में आबंटित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एफ2ए-37/401, को श्रीमति सपना मुखर्जी एवं श्री अर्धेन्दु मुखर्जी, के नाम स्वविति्तय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 03.02.2012 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2484 दिनांक 05.02.2015 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में श्रीमति सपना मुखर्जी एवं श्री अर्धेन्दु मुखर्जी, निवासीः- मकान नं.-311, रॉयल बिल्डर्स, नेताजी चौक न्यू शांतिनगर, जिला- रायपुर (छ.ग.) उक्त प्रकोष्ठ भवन को क्रेता श्रीमति सुषमा डोंगरे पति श्री दिलीप डोंगरे, निवासीः- मांढर, रायपुर(छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-27 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एफ2ए-37/401,के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-नवा रायपुर अटल नगर

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढियारी, रायपुर

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

स्पाइन
रीड की हड्डी एवं नसों का इलाज, न्यूरो-पंचकर्म विधि द्वारा किया जाता है।
समय : सुबह 9.30 से रात 9.30 बजे तक
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप



लेखक शिव ने दुबई में डॉ. अब्दुल्ला को भेंट की अपनी पुस्तकें

रायपुर। लेखक शिव ग्वालानी अपनी पत्नी कविता ग्वालानी के साथ दुबई प्रवास में समाजसेवी, कारोबारी और लेखक डॉ. बू अब्दुल्ला को अपनी किताब दास्ताने कश्मीर और किताब मास्टर ऑफ नथिंग भेंट की। लेखक श्री ग्वालानी ने अपनी किताब दास्ताने कश्मीर के अन्य भाषाओं में रिलीज होने वाले समारोह के लिए, डॉ. बू अब्दुल्ला को भारत आने के लिए आमंत्रित किया, जिस पर डॉ. अब्दुल्ला ने सहमति प्रदान की और अरबी भाषा में उनकी किताब पर एक संदेश भी लिखकर दिया। डॉ. अब्दुल्ला दुबई के मशहूर बिजनेसमेन हैं। लेखक शिव ने दुबई की ग्लोबल बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन चन्द्रशेखर भाटिया से भी मुलाकात कर उनको अपनी किताबें भेंट कीं।

पुलिस अफसरों-जवानों का शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण



रायपुर। सेनानी पूजा अग्रवाल की पहल पर वीआईपी सुरक्षा वाहिनी माना में पुलिस अधिकारियों-जवानों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल से विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम द्वारा लगभग 90 से अधिक पुलिस अधिकारियों-जवानों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान बीपी, ब्लड शुगर एवं ईसीजी की जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में डॉ. मृगेंद्र सिंह, डॉ. पंकज नरवड़े एवं डॉ. प्रफुल्ल महाकालकर द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

ओडिशा में गांजे की अवैध खेती पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने विस में प्रश्न उठाने की मांग

रायपुर। इंदिरा गांधी वार्ड के नहरपारा विकास समिति के पदाधिकारियों ने ओडिशा में गांजे की खेती पर प्रतिबंध लगाने और पूरे देश में तस्करी रोकने के लिए विस में प्रश्न उठाने की मांग विधायक पुरंदर मिश्रा से की है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष, पूर्व पार्षद रमेश आहूजा तथा महामंत्री किशोर आहूजा ने विधायक श्री मिश्रा से मांग की है कि आपने नशामुक्ति के खिलाफ जो पदयात्रा निकालकर जनता को जागरूक करने का कार्य किया है, नहरपारा विकास समिति आपके इस कार्य की सराहना करती है। आप देश के युवाओं का भविष्य सुधारने की दशा में कार्य कर रहे है। आप भलीभांति जानते है कि ओडिशा में पिछले कई वर्षों से गांजे की खेती हो रही है तथा पिछले 25-30 वर्षों से ओडिशा से छत्तीसगढ़ होते हुए पूरे देश में गांजे की तस्करी हो रही है। यदि आप इस दिशा में पहल कर छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस संबंध में प्रश्न उठाएं तो पूरा सदन एकमत से आपके प्रश्न पर सहमति प्रदान करेगा।

निधन

अशोक कुमार पंसारी

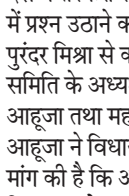
रायपुर। पुरानी बस्ती लिली चौक निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक



कुमार पंसारी का 1 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 2 अक्टूबर को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी।

विकास मिश्रा

रायपुर। बजरंग नगर निवासी विकास मिश्रा (41) का 1 अक्टूबर



को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 2 अक्टूबर को सुबह 11 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. अमरधारी मिश्रा के पुत्र और आशीष मिश्रा, मनीष मिश्रा के छोटे भाई थे।

महानदी, अरपा, खारुन समेत छह नदियों में आकर मिलने वाले शहरी नालों की सूची 9 माह में नहीं बना पाए अफसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की प्रमुख छह नदियों महानदी, अरपा, खारुन, केलो, शिवनाथ और हसदेव में शहरी नालों का गंदा पानी आकर मिलता है। इन नालों की एक सूची बनाई जानी थी, साथ ही नालों का गंदा पानी रोकने एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाए जाने थे।

खास बात ये है कि 9 महीने पहले रिवर रिजुवेशन कमेटी की बैठक में इसके निर्देश दिए गए थे, लेकिन काम करना तो दूर, जो जानकारी मांगी गई थी, वह आज तक उपलब्ध नहीं कराई गई। खास बात ये है कि यह काम ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित आदेश के क्रियान्वयन में किया जाना है।

9 महीने बाद भी स्थिति जस के तस

जनवरी 2026 में दिए गए इन सख्त निर्देशों के बाद से लेकर अब तक (अक्टूबर 2026 यानी लगभग 9 महीने बीत जाने के बाद भी) नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा न तो नालों की कोई सूची उपलब्ध कराई गई है और न ही एसटीपी की कोई अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की जा सकी है।

- रिवर रिजुलेशन कमेटी की बैठक में मांगा गया था ब्योरा
- सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना भी नहीं बनाई



अब अपनाया कड़ा रुख, मांगी रिपोर्ट

इस लंबी सुस्ती और विलंब पर अब संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने कड़ा रुख अपनाते हुए प्रदेश के सभी नगर निगमों के आयुक्तों और नगरपालिका परिषद के सीएमओ को नया स्मरण पत्र जारी किया है। पत्र में साफ किया गया है कि कमेटी के निर्देशों के विपरीत अब तक जानकारी न देना गंभीर लापरवाही है और अब सभी निकायों को तत्काल कार्य के विवरण के तहत निर्धारित प्रारूप में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

ये है मामला

अब से 9 माह पहले 7 जनवरी 2026 को आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में रिवर रिजुलेशन कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि छत्तीसगढ़ की चिन्हित छह प्रमुख नदियों महानदी, अरपा, खारुन, केलो, शिवनाथ और हसदेव में मिलने वाले सभी शहरी नालों को सूचीबद्ध किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि इन नालों के ट्रीटमेंट के लिए लगाए जाने वाले एसटीपी पर्याप्त हैं या नहीं। निर्देश में यह भी कहा गया था कि जिन नालों में एसटीपी की आवश्यकता है, उनका जीआईएस मैप के साथ पूरा ब्योरा और कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। इसके अलावा जिन स्थानों पर एसटीपी पहले से बन चुके हैं और उनका उपयोग कम हो रहा है, उन्हें पूरी तरह क्रियाशील बनाने की कार्ययोजना भी मांगी गई थी।

पिछले साल की तुलना में 3.66 प्रतिशत ज्यादा जलभराव, 2024 के मुकाबले 7.30 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मानसून की विदाई से पहले लबालब हुए बांध, 46 जलाशयों में 94 फीसदी पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानसून की विदाई से पहले छत्तीसगढ़ के बांधों में पानी की स्थिति मजबूत बनी हुई है। प्रदेश के 46 प्रमुख और मध्यम जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का 94.06 प्रतिशत पानी भरा हुआ है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 6360.23 मिलियन घनमीटर है, जबकि वर्तमान में 5982.25 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है। पिछले वर्ष इसी तारीख को जलभराव 90.40 प्रतिशत था। इस तरह इस साल पिछले वर्ष की तुलना में 3.66 प्रतिशत अंक अधिक पानी है।

वर्ष 2024 में इसी अवधि में इन जलाशयों में 86.76 प्रतिशत पानी था, यानी 2024 की तुलना में इस साल जलभराव करीब 7.30 प्रतिशत अंक अधिक है। मानसून के दौरान हुई अच्छी बारिश का असर प्रदेश के बड़े जलाशयों के जलस्तर पर दिखाई दे रहा है।

प्रमुख जलाशयों में 93.71 फीसदी पानी

प्रदेश के 12 प्रमुख जलाशयों की कुल क्षमता 5355.709 मिलियन घनमीटर है। इनमें 1 अक्टूबर तक 5018.98 मिलियन घनमीटर, यानी 93.71 प्रतिशत पानी भरा है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 86.39 प्रतिशत था। मिनीमाता बांगो में 93.13 प्रतिशत, रविशंकर सागर (गंगरेल) में 97.28 प्रतिशत, तांदुला में 100 प्रतिशत, दूधावा में 95.40 प्रतिशत, सिकासार में 87.36 प्रतिशत और खरंग में 100 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। वहीं सोंदूर में 84.49 प्रतिशत तथा मुरुमसिल्ली में 99.01 प्रतिशत पानी मौजूद है। कोडार में 86.68 प्रतिशत और मनियारी में शत-प्रतिशत जलभराव है। इसके विपरीत केलो में 70.59 प्रतिशत तथा अरपा-भैंसाझार बैराज में 30.56 प्रतिशत पानी दर्ज किया गया है।

हरिभूमि फॉलोअप



मानसून की विदाई से पहले राहत

मानसून के अंतिम दौर में प्रदेश के प्रमुख और मध्यम जलाशयों में पानी की उपलब्धता संतोषजनक बनी हुई है। कुल 46 जलाशयों में 94 प्रतिशत से अधिक जलभराव होने से आगामी रबी सीजन के लिए भी जल उपलब्धता की स्थिति महत्वपूर्ण रहेगी।

प्रमुख बांधों में स्थिति

बांध	2026	2025	अंतर
मिनीमाता बांगो	93.13%	90.31%	+2.82
गंगरेल	97.28%	98.75%	-1.47
तांदुला	100%	100%	समान
दूधावा	95.40%	76.97%	+18.43
सिकासार	87.36%	66.67%	+20.69
खारंग	100%	100%	समान
सोंदूर	84.49%	74.65%	+9.84
मुरुमसिल्ली	99.01%	99.26%	-0.25
कोडार	86.68%	61.13%	+25.55
मनियारी	100%	98.25%	+1.75
केलो	70.59%	77.64%	-7.05
अरपा-भैंसाझार	30.56%	72.77%	-42.21

ये बांध लबालब

प्रमुख जलाशय — 2
तांदुला — 100%
खारंग — 100%
मध्यम जलाशय — 12
खरखरा — 100%
गोंदली — 100%
कोसारटेड — 100%
मटियामोती — 100%
गेझ टैंक — 100%
मोहरा — 100%
बेहड़ाखार — 100%
सूखा नाला बैराज — 100%
खपरी — 100%
बरनाई — 100%
रसे — 100%
घुमरिया नाला बैराज — 100%
इसके अलावा कई जलाशय 99% से अधिक भर चुके हैं। जैसे मुरुमसिल्ली 99.01%, छिरपानी 99.88%, गेज टैंक 100%, कुम्हारी 100% और सरोदा 100% आदि।

मध्यम जलाशयों की स्थिति और बेहतर

34 मध्यम जलाशयों की कुल क्षमता 1004.519 मिलियन घनमीटर है। इनमें 963.262 मिलियन घनमीटर, यानी 95.89 प्रतिशत पानी भरा हुआ है। पिछले साल 88.75 प्रतिशत और 2024 में 93.72 प्रतिशत जलभराव था। मध्यम जलाशयों में खरखरा, गोंदली, कोसारटेड, छिरपानी, सरोदा, मटियामोती, गेझ टैंक, बेहड़ाखार, खपरी, बरनाई और रसे समेत कई जलाशय 100 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। पारलकोट में 79.53 प्रतिशत, श्याम में 96.94 प्रतिशत, पिपरिया नाला में 94.06 प्रतिशत और बाल्लर में 99.13 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है।

कई बांध पिछले साल से आगे

इस वर्ष कई जलाशयों में पिछले साल की तुलना में जलभराव में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रमुख जलाशयों में कोडार 86.68 प्रतिशत पर है, जबकि पिछले वर्ष 61.13 प्रतिशत था। इसी तरह सिकासार 87.36 प्रतिशत पर पहुंचा है, जो पिछले वर्ष के 66.67 प्रतिशत से काफी अधिक है। दूधावा में भी पिछले वर्ष के 76.97 प्रतिशत की तुलना में इस साल 95.40 प्रतिशत पानी है।

80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त बस पास की पहल विश्व रिकॉर्ड में दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क बस पास उपलब्ध कराने की परिवहन विभाग की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। विभाग के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों की सार्वजनिक परिवहन तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस व्यवस्था को विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता मिली है।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि को प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित करते हुए कहा कि यह केवल विभाग का रिकॉर्ड नहीं, बल्कि बुजुर्गों के सम्मान से जुड़ी पहल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में परिवहन व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने के साथ उसे संवेदनशील बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। श्री कश्यप ने कहा कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों ने अपने अनुभव और योगदान से समाज और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उम्र के इस पड़ाव में स्वास्थ्य, पारिवारिक और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करना कई बार चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन में निशुल्क यात्रा की सुविधा उनकी दैनिक जरूरतों को आसान बनाने की दिशा में एक कदम है।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की पहल को मिली जगह



450 गांव पहली बार बस सेवा से जुड़े

परिवहन विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 69 चयनित मार्गों पर बस संचालन से 450 नए गांव पहली बार यात्री बस सुविधा से जुड़े हैं। वर्ष 2026-27 में 200 नई बसों के संचालन की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। विभाग का कहना है कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक सार्वजनिक परिवहन की पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा को इसी व्यापक व्यवस्था का हिस्सा बताया गया है।

दलहन से आत्मनिर्भरता बढ़ाने लाभ-उपयोग की दी जानकारी

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ग्राम पंचायत बिनौरी में 1 अक्टूबर को दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक सुचिन वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेतों में तार घेरा बनाकर दलहन फसल उगाकर किसान दोहरा लाभ लेकर आर्थिक रूप से समृद्ध और खुशहाल हो सकते हैं। अपने भोजन में अधिक से अधिक दाल का उपयोग कर पोषण प्राप्त कर स्वस्थ रहा जा सकता है और धान में आने वाले बीमारी को अच्छे से देखकर ही सही दवाई का छिड़काव करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य में विष्णु देव साय सरकार किसानों को योजना का लाभ दे रही और हरसंभव मदद कर रही है।

सेवानिवृत पूर्व कृषि वैज्ञानिक भागीरथी ध्रुव ने दलहन फसल से आत्मनिर्भरता बढ़ाने और लाभ, उपयोग के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अपर्णा टंडन, किसान मित्र मुकेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि सनकुमार साहू, उपसरपंच सुरेश डहरिया, पंचायत सचिव हरीश कुमार डडसेना, रोजगार सहायक रामकुमार निराला, पंचायत सहायक शुकदेव सेन और गांव के किसान दिनेश सेन, संतोष साहू, नारायण यादव, निर्मला धीवर, नैनदास टंडन, नोखराम सेन, पुनीतराम वर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का व्यापारी समाज ने जाना कुशलक्षेम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उपचार कराकर स्वस्थ होकर रायपुर लौटे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से कैट की टीम ने उनके निवास स्थान पर सौजन्य भेंट की। पदाधिकारियों ने उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना और प्रदेश के सभी व्यापारियों की ओर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

कैट के नेशनल वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने किरण सिंह देव के जल्द स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। टीम के सदस्यों ने कहा कि किरण सिंह देव जी का स्वस्थ होकर पुनः रायपुर आगमन सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है। व्यापारी समाज उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने एवं जनसेवा के कार्यों में पुनः सक्रिय योगदान की कामना करता है।

इस अवसर पर कैट के पदाधिकारी विक्रम सिंह देव, परमानंद जैन, अवनीत सिंह, वासु माखीजा, शंकर बजाज, कन्हैया गुप्ता, जयराम कुकरेजा, प्रीतपाल सिंह बग्गा, नागेंद्र तिवारी, रतनदीप सिंह, रौनक पटेल, अमित गुप्ता, गिरीश पटेल, विवेक सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कैट छग की टीम ने निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की



विधायक अनुज शर्मा, जोन अध्यक्ष गोपेश साहू समेत जनप्रतिनिधि हुए शामिल

स्वच्छता ही सेवा अभियानः कचना के बंधवा तालाब में सामूहिक सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा की कड़ी में रायपुर नगर निगम जोन 9 क्षेत्र के कचना स्थित बंधवा तालाब में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, जोन 9 अध्यक्ष गोपेश साहू, छत्तीगसढ़ राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष चंद्रकांति वर्मा, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा और रायपुर जिला ग्रामीण भाजपा के मंत्री रोबिन साहू ने बंधवा तालाब और उसके आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने सामूहिक श्रमदान कर सफाई में सहभागिता निभाई।

जोन अध्यक्ष गोपेश साहू ने अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छ और सुंदर वार्ड बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में बड़ी संख्या में वार्डवासियों की सहभागिता रही।



बूढ़ातालाब स्वच्छ रखने अभियान



गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वस्फूर्त सुबह 9 बजे बूढ़ापारा स्थित बूढ़ातालाब समेत आसपास के क्षेत्र में सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से बूढ़ातालाब और उसके आसपास की सफाई की। शहर को साफ-सुथरा रखने और प्राकृतिक स्त्रोतों की सफाई का संदेश देते हुए कर्मचारियों ने राजधानीवासियों से जनजागरूकता की अपील भी की। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान की कड़ी में रायपुर नगर निगम और कलिंगा विश्वविद्यालय के सहयोग से टिकरापारा स्थित नरैया तालाब में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

पेज 11 के शेष

टामन को वीआईपी ट्रीटमेंट...

स्टाफ के साथ सहायक जेल अधीक्षक अथवा उससे वरिष्ठ रैंक के अधिकारी भी अनिवार्य रूप से साथ जाएंगे। इसके अलावा सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात जेलकर्मी बॉडीवार्न कैमरा लगाएंगे। मुख्यालय ने सभी जेल अधीक्षकों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

मानव तस्करों ने बदला...

वर्ष में स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों से करीब 270 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया है। रेस्क्यू के दौरान ही तस्करी का सिस्टम बदलने जाने का खुलासा हुआ। बहरहाल बाल कल्याण समिति के आदेश के बाद रेस्क्यू किए गए इन बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा गया। रेलवे प्रशासन के अनुसार बच्चों की सुरक्षा के लिए स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जनरल कोच से स्लीपर और थर्ड एसी तक पहुंचा तरीकाः कार्रवाई बढ़ने के बाद तस्करों ने यात्रा का तरीका भी बदला है। पहले जनरल कोच में बच्चों के साथ यात्रा करने के मामले सामने आते थे, लेकिन अब कुछ मामलों में स्लीपर और थर्ड एसी कोच का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई है। अच्छे कपड़े पहनाकर बच्चों को सामान्य यात्रियों जैसा दिखाने की कोशिश भी की जाती है। जांच में ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां बच्चों को स्पोर्ट्स या अन्य आयोजनों में शामिल होने का बहाना बनाकर ले जाने की कोशिश की गई।

बिजनेस साइट

एनटीपीसी नवा रायपुर ने पौधरोपण और स्वच्छता अभियान चलाया

रायपुर। 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के तहत एनटीपीसी नवा रायपुर ने गुरुवार को पौधरोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर



2026 तक चल रहे पखवाड़े के अंतर्गत 1 अक्टूबर को कार्यालय परिसर के आसपास 'एक पेड़ मां के नाम' और 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान पहल आयोजित की गई। एनटीपीसी के निदेशक (प्रचालन) रवींद्र कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने अभियान में भाग लिया। कर्मचारियों ने परिसर के आसपास पौधे लगाने के साथ ही सफाई कर स्वच्छ और हरित वातावरण का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति सामूहिक भागीदारी और स्वयंसेवा की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में अजय शर्मा, विद्या नंद झा, आलोक कुमार त्रिपाठी और हर्ष आहूजा सहित मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



मैट्स स्कूल ऑफ फार्मेसी में मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय के मैट्स स्कूल ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा में फार्मासिस्ट की भूमिका तथा दवाओं के उचित उपयोग और रोगों की रोकथाम के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अमित नायक ने भारतीय फार्मेसी के जनक प्रो. एम.एल. श्रोफ के सम्मान में दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद डॉ. संतोष कुमार प्रजापति ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को फार्मेसी शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर स्वास्थ्य एवं समाज में फार्मासिस्ट की भूमिका से जुड़े संदेश दिए। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जनजागरूकता का संदेश दिया गया। पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य जागरूकता, रोगों की रोकथाम, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग, रोगी सुरक्षा और जनस्वास्थ्य जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

रायपुर। राजधानी में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में पचपेड़ी नाका स्थित श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में विभिन्न उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में गंभीर एवं जटिल रोगों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था की गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां न्यूरोसर्जरी, रीढ़ की सर्जरी, गले एवं मुंह की सर्जरी, हड्डी रोग, सामान्य सर्जरी और क्रिटिकल केयर सहित कई सेवाएं उपलब्ध हैं। ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हेमरेज, सिरदर्द, माइग्रेन तथा रीढ़ से संबंधित समस्याओं के उपचार की सुविधा भी दी जा रही है। हृदय रोगियों के लिए कार्डियोलॉजी, एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी जैसी



सेवाएं उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा के साथ जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। प्रबंधन ने अस्पताल को एनएबीएच मान्यता प्राप्त बताया है।

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मास्क-रहित मस्तिष्क रेडिएशन थेरेपी का सफल



रायपुर। संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में वेरियन आइडेन्टिफाइ और सर्फेस-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (एसजीआरटी) तकनीक की सहायता से मस्तिष्क की रेडिएशन थेरेपी की गई। अस्पताल के अनुसार, केंद्रीय भारत में पहली बार इस तकनीक के माध्यम से उपयुक्त मरीज को पारंपरिक टाइट थर्मोप्लास्टिक मास्क के बिना उपचार का विकल्प दिया गया। रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रमेश कोठारी एवं डॉ. सतीश देवांगन के मार्गदर्शन में किए गए उपचार में मरीज की बाहरी सतह और स्थिति की लगातार निगरानी की गई। एसजीआरटी तकनीक उपचार के दौरान मरीज की स्थिति में होने वाले बदलावों को वास्तविक समय में पहचानने में मदद करती है। चिकित्सकों के अनुसार, कुछ मरीजों को पारंपरिक मास्क से घुटन, बेचैनी या घबराहट महसूस हो सकती है। ऐसे उपयुक्त मरीजों में मास्क-रहित उपचार अधिक सहज अनुभव प्रदान कर सकता है। हालांकि, यह विकल्प सभी मरीजों के लिए उपयुक्त नहीं होता और इसका निर्णय बीमारी, उपचार क्षेत्र तथा चिकित्सकीय आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

खबर संक्षेप

बकतरा सरपंच की पुलिस में शिकायत

मंदिरहसौद। उपेंद्र भारती ने बकतरा सरपंच श्रीमती देवकी टंडन एवं उसके पति आदित्य टंडन व उसके भतीजे राहुल टंडन के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करते हुए पुलिस के शिकायत की है उन्होंने मामले की जांच और सरपंच पर पद के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने उनके पित और भतीजे पर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया है कि पूर्व सीईओ और एसडीओ से आरोपियों के खिलाफ की गई शिकायत की जांच भी हुई थी।

संदीप जैन ने प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से की मुलाकात



आरंग। आरंग नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से उनके निवास स्थान पर जाकर आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के स्वास्थ्य का कुशलक्षेम जाना और उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. संदीप जैन ने मुलाकात के दौरान उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ और सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रदान करें, ताकि वे पुनः उसी ऊर्जा, उत्साह और समर्पण के साथ संगठन को मजबूती देने और जनसेवा के कार्यों में पूरी सक्रियता से जुट सकें।

सेवानिवृत लोकनाथ साहू को सचिव संघ ने किया सम्मानित



आरंग/मंदिर हसौद। आरंग विधानसभा के सचिव का 31वर्ष क़े सेवा पूर्ण करने क़े बाद ग्राम पंचायत कुकरा जनपद पंचायत आरंग के लोकनाथ साहू ग्राम पंचायत सचिव पद से सेवा निवृत हुए है। जिसे समस्त सचिव जनपद आरंग की और से उनके सम्मान में 25 हजार नगद और सफर बेग साल श्रीफल प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस कार्य को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास घिदौड़े द्वारा बताया गया और इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जनपद आरंग क़े समस्त स्टाप और सचिव संघ क़े अध्यक्ष हारमोहन बांधे, जोहत, दाऊलाल धीवर, कल्याण डहरिया, यशवंत कंन्नोजे पुष्पा गोस्वामी, मीनाक्षी, पूर्णिमा, लोकेशवरी, ईश्वरी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का व्यापारी समाज ने जाना कुशलक्षेम

रायपुर। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उपचार कराकर स्वस्थ होकर रायपुर लौटे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से कैट की टीम ने उनके निवास स्थान पर सौजन्य भेंट की। पदाधिकारियों ने उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना और प्रदेश के सभी व्यापारियों की ओर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। टीम के सदस्यों ने कहा कि किरण सिंह देव जी का स्वस्थ होकर पुनः रायपुर आगमन सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है। व्यापारी समाज उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने एवं जनसेवा के कार्यों में पुनः सक्रिय योगदान की कामना करता है। इस अवसर पर कैट के पदाधिकारी विक्रम सिंह देव, परमानंद जैन, अवनीत सिंह, वासु माखीजा, शंकर बजाज, कन्हैया गुप्ता, जयराम कुकरेजा, प्रीतपाल सिंह बग्गा, नागेंद्र तिवारी, रतनदीप सिंह, रौनक पटेल, अमित गुप्ता, गिरीश पटेल, विवेक सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवागांव में माताओं की गोद भराई और बच्चों के अन्नप्रशन मैं बिखरी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन एवं जनसेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम तोरला एवं नवागांव (क) में आंगन मिलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। आंगन मिलन कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों और महिलाओं तक पहुंचाई जा रही है। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी योजनाओं, पोषण तथा विभागीय सेवाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर जनपद के परिवार कल्याण विभाग के सभापति ब्रह्मानंद साहू, महिला मोर्चा प्रदेश संयोजक माधुरी साहू, किसान मोर्चा के गोविंद राम साहू, मंडल कार्यालय मंत्री बलराम साहू, महिला मोर्चा अध्यक्ष कविता साहू, महामंत्री नोमेश्वरी बंजारे,दानी राम तारक, शाला विकास समिति अध्यक्ष भूपेंद्र साहू, संतोष साहू, राजकुमार सोनी,प्रेमिन सोनवानी, राजेश्वरी सोनी, नीलिमा सोनी, गणेशी साहू, कृतिका चंदेल, दमयंतीन बया, बिना बया, भगवती ध्रुव, डामीन टंडन,मधु चतुर्वेदी,सावित्री यादव, आशाराम यदु, राजू सोनवानी, होमेंद्र तारक, कृषिनी यदु एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं सहित बड़ी संख्या में दोनों गांवों की महिलाएं शामिल रहे।



आरंग में गौ सम्मान आह्वान अभियान

आरंग। आरंग में गौ माता की सेवा और संरक्षण को समर्पित 'गौ सम्मान आह्वान अभियान (तृतीय चरण 17 दिसंबर 2026)' के अंतर्गत रायपुर संभाग प्रचार यात्रा का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान के राज्य स्तरीय चरण हेतु बुधवार को दोपहर 3 बजे श्री राधाकृष्ण मंदिर में विशेष कार्यक्रम में वृंदावन से आए संत पूज्य सुरभि दास महाराज मलूक पीठ श्री वृंदावन धाम ने गौ माता और नंदी बाबा की धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गौ माता को राष्ट्रमाता बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर तेजराम जलक्षत्री, रमन जलक्षत्री, गजानंद साहू, गणपत लोधी, सावन शुक्ला, सतीशचंद्र अग्रवाल, बृजेश सोनी, अशोक ठाकुर, दूजे राम धीवर, राहुल जोशी, प्रद्युम्न शर्मा, संदीप शर्मा, हितेंद्र साहू, खोमन वर्मा, गजेंद्र साहू, रमेश तिवारी और बड़ी संख्या में गौ प्रेमी शामिल हुए और इस अभियान में भाग लेने का संकल्प लिया।



कार्यक्रम : पूर्व शिक्षकों व छात्रों के एल्युमिनी सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

दाऊ पोषण लाल ने शिक्षा का अलख जगाया और पीढियों का किया कल्याण

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा/कूंरा

ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाने वाले महान दानवीर और शिक्षाप्रेमी स्वर्गीय दाऊ पोषण लाल चंद्रवंशी की अमिट स्मृति को सहेजने के लिए दाऊ पोषण लाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परसतराई के पावन प्रांगण में एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए दाऊ पोषण लाल चंद्रवंशी स्मृति स्मारक का विधिवत लोकार्पण किया।

बात दे कि वर्ष 1962 में दाऊ पोषण लाल चंद्रवंशी ने इस अंचल में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए अनुकरणीय पहल की थी। उस दौर में उन्होंने अपनी 10 एकड़ मूल्यवान भूमि और 10 कमरे विद्यालय निर्माण के लिए सहर्ष दान कर दिए थे। उनके इस ऐतिहासिक योगदान से जिस शिक्षा रूपी पौधे का बीजारोपण हुआ था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बनकर क्षेत्र के हजारों युवाओं के भविष्य को रोशन कर रहा है।



महान सोच, त्याग और दृष्टि को नमन करने का अवसर है : अनुज शर्मा



लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज की यह पावन तिथि केवल लोकार्पण का दिन नहीं है, बल्कि उस महान सोच, त्याग और दृष्टि को नमन करने का अवसर है जिसने छह दशक पहले इस क्षेत्र में शिक्षा का उजियारा फैलाया था। वर्ष 1962 के उस दौर में, जब ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बात सोचना भी कठिन था, तब दाऊ जी ने अद्भुत दूरदर्शिता दिखाते हुए 10 एकड़ जमीन और कमरे दान में दिए।

इनकी रही उपस्थिति

रमा चन्द्रवंशी, जनपद अध्यक्ष शकुंतला सेन, जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर निषाद, जनपद उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे, जनपद सदस्य पूजा अश्वनी वर्मा, जनपद सदस्य स्वेता यजेन्द्र वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश यादव, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष के के वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण साहू, मण्डल उपाध्यक्ष कौशल साहू, पूर्व सरपंच हेमंत वर्मा, अशोक सिन्हा, सारडा मिनिरल्स हेड, सीएसआर हेड विवेक चौधरी, सुरेंद्र लांजेवार, धरसींवा सरपंच साहिल खान, भूपेंद्र कसार, शाला के प्राचार्य हेमवती चिवहाने सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूर्व शिक्षकों व छात्रों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक और विद्यार्थी का मिलन समारोह हुए और क्षेत्र के वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकों का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। इसके साथ ही शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल में नेवता भोज का महाकुंभ आयोजन

धरसींवा विधानसभा के दाऊ पोषण लाल स्कूल में विशेष 'न्योता भोज' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक शर्मा ने आत्मीयता दिखाते हुए स्वयं अपने हाथों से स्कूली बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर खुशियां बांटीं। बच्चों के चेहरों पर तैरती मुस्कान की सराहना करते हुए विधायक ने कहा कि 'न्योता भोज' जैसे आयोजन समाज में सहयोग, समरसता और अपनेपन की भावना को मजबूत करते हैं। भोजन के उपरांत उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई और सुविधाओं के बारे में चर्चा की।



बद्री प्रसाद कॉलेज में पोषण मेला एवं पत्रकार सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर शासकीय महाविद्यालय आरंग में आज पोषण मेला एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पोषक शाला एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, आरंग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभया रा. जोगलेकर ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में संतुलित आहार, उचित पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। पोषण मेले में विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके साथ ही पोषण परामर्श, स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौष्टिक खाद्य पदार्थों एवं संतुलित आहार के महत्व को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश कुमार लाल, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. एल. पी. शर्मा, विज्ञान संकाय प्रमुख डॉ. साधना दीक्षित, वाणिज्य विभागाध्यक्ष भुनेश्वर कुमार साहू सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।



इस अवसर पर आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में पत्रकारों की सामाजिक भूमिका एवं जन-जागरूकता निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उपस्थित पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से "सही पोषण, देश रोशन" का संदेश देते हुए स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।

चंदखुरी धाम में बैस परिवार ने किया पितृ पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

पितृपक्ष के पावन अवसर पर भगवान श्रीराम के ननिहाल चंदखुरी धाम में पूर्व राज्यपाल रमेश बैस और बैस परिवार द्वारा भव्य पितृ पूजन का आयोजन किया गया। पितरों की याद में और श्राद्ध पक्ष के निमित्त पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यह पूजन संपन्न हुआ।

इस पितृ पूजन कार्यक्रम में बैस परिवार के सभी सदस्य एकजुट हुए। परिवार के वरिष्ठ सदस्य महेश बैस द्वारा सपत्नीक पूजन किया गया,



जिसमें परिवार के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, आरडीए के पूर्व अध्यक्ष श्याम बैस ने पितरों का तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म में भाग लिया।

इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति, मोक्ष और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की गई। इस पुनीत अवसर पर कई गणमान्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल, गायत्री परिवार ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीगण, गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस, व्यवस्था प्रभारी ट्रस्टी दीनानाथ शर्मा, सदाशिव हथमल, राम मंदिर के सर्वरकार महेश बैस, दीपक बैस सहित बैस परिवार के बड़ी संख्या में सदस्य और अन्य परिजन उपस्थित रहे।

खोरपा में स्वच्छता अभियान, विधायक ने दिलाया सेवा संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय स्वच्छता अभियान का आयोजन ग्राम खोरपा में किया गया। कार्यक्रम विधायक इंद्र कुमार साहू के आतिथ्य में संपन्न हुआ। अभियान के तहत बस स्टैंड के हटरी बाजार एवं प्रधानमंत्री आत्मानंद स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर विधायक इंद्र कुमार साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को देशभर में



सेवा संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने शौचालय निर्माण, आवासहीन परिवारों को आवास, किसानों को किसान सम्मान निधि, महिलाओं को गैस कनेक्शन, जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने, राम मंदिर निर्माण तथा स्वच्छता को जनजीवन से जोड़ने जैसे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ उठाने तथा स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष चन्द्रिका बंजारे, उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, सरपंच मीना चम्मन ध्रुव, सीईओ दीपक ठाकुर, मुकेश ढीढ़ी, विनोद चन्द्राकर, राजा दीवान, राघवेन्द्र साहू, छबीराम साहू, ईश्वर साहू, पंचगण सहित स्वच्छता दीदी, महिला समूह की महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

एनटीपीसी नवा रायपुर ने पौधरोपण और स्वच्छता अभियान चलाया



रायपुर। 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के तहत एनटीपीसी नवा रायपुर ने गुरुवार को पौधरोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चल रहे पखवाड़े के अंतर्गत 1 अक्टूबर को कार्यालय परिसर के आसपास 'एक पेड़ मां के नाम' और 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान पहल आयोजित की गई। एनटीपीसी के निदेशक (प्रचालन) रवींद्र कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने अभियान में भाग लिया। कर्मचारियों ने परिसर के आसपास पौधे लगाने के साथ ही सफाई कर स्वच्छ और हरित वातावरण का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति सामूहिक भागीदारी और स्वयंसेवा की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में अजय शर्मा, विद्या नंद झा, आलोक कुमार त्रिपाठी और हर्ष आहूजा सहित मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मैट्स स्कूल ऑफ फार्मेसी में मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस



रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय के मैट्स स्कूल ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा में फार्मासिस्ट की भूमिका तथा दवाओं के उचित उपयोग और रोगों की रोकथाम के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अमित नायक ने भारतीय फार्मेसी के जनक प्रो. एम.एल. श्रोफ के सम्मान में दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद डॉ. संतोष कुमार प्रजापति ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को फार्मेसी शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर स्वास्थ्य एवं समाज में फार्मासिस्ट की भूमिका से जुड़े संदेश दिए। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जनजागरूकता का संदेश दिया गया। पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य जागरूकता, रोगों की रोकथाम, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग, रोगी सुरक्षा और जनस्वास्थ्य जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

विधायक अनुज शर्मा, जोन अध्यक्ष गोपेश साहू समेत जनप्रतिनिधि हुए शामिल

स्वच्छता ही सेवा अभियानः कचना के बंधवा तालाब में सामूहिक सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा की कड़ी में रायपुर नगर निगम जोन 9 क्षेत्र के कचना स्थित बंधवा तालाब में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, जोन 9 अध्यक्ष गोपेश साहू, छत्तीसगढ़ राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष चंद्रकांति वर्मा, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा और रायपुर जिला ग्रामीण भाजपा के मंत्री रोबिन साहू ने बंधवा तालाब और उसके आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने सामूहिक श्रमदान कर सफाई में सहभागिता निभाई।

जोन अध्यक्ष गोपेश साहू ने अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छ और सुंदर वार्ड बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में बड़ी संख्या में वार्डवासियों की सहभागिता रही।



बूढ़ातालाब स्वच्छ रखने अभियान

गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वस्फूर्त सुबह 9 बजे बूढ़ापारा स्थित बूढ़ातालाब समेत आसपास के क्षेत्र में सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से बूढ़ातालाब और उसके आसपास की सफाई की। शहर को साफ-सुथरा रखने और प्राकृतिक स्त्रोतों की सफाई का संदेश देते हुए कर्मचारियों ने राजधानीवासियों से जनजागरूकता की अपील भी की। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान की कड़ी में रायपुर नगर निगम और कलिंगा विश्वविद्यालय के सहयोग से टिकरापारा स्थित नरैया तालाब में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

परसराम भारद्वाज की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा



हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग के संयुक्त तत्वावधान में राजीव भवन आरंग में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सांसद स्वर्गीय परसराम भारद्वाज की जयंती सम्मानपूर्वक मनाई गई।

जयंती के इस गरिमामय अवसर पर राजीव भवन में एक विशेष बैठक एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्व. भारद्वाज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उनके जनसेवा, सांगठनिक योगदान और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग शहर खिलावन निषाद, नेता प्रतिपक्ष शरद जीतू गुप्ता, वरिष्ठ नेता मंगल मूर्ति अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष भारत लोधी, पार्षद ईश्वर पटेल, पूर्व पार्षद दीपक चंद्राकर, दिलीप साहू, देवेंद्र धृतलहरें, मुकेश लोधी, लेश साहू, होरी साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

रायपुर। राजधानी में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में पचपेड़ी नाका स्थित श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में विभिन्न उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में गंभीर एवं जटिल रोगों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था की गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां न्यूरोसर्जरी, रीढ़ की सर्जरी, गले एवं मुंह की सर्जरी, हड्डी रोग, सामान्य सर्जरी और क्रिटिकल केयर सहित कई सेवाएं उपलब्ध हैं। ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हेमरेज, सिरदर्द, माइग्रेन तथा रीढ़ से संबंधित समस्याओं के उपचार की सुविधा भी दी जा रही है। हृदय रोगियों के लिए कार्डियोलॉजी, एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी जैसी सेवाएं उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा के साथ जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मास्क-रहित मस्तिष्क रेडिएशन थेरेपी का सफल



रायपुर। संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में वेरियन आइडेन्टिफ्राइ और सर्फेस-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (एसजीआरटी) तकनीक की सहायता से मस्तिष्क की रेडिएशन थेरेपी की गई। अस्पताल के अनुसार, केंद्रीय भारत में पहली बार इस तकनीक के माध्यम से उपयुक्त मरीज को पारंपरिक टाइट थर्मोप्लास्टिक मास्क के बिना उपचार का विकल्प दिया गया। रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रमेश कोठारी एवं डॉ. सतीश देवांगन के मार्गदर्शन में किए गए उपचार में मरीज की बाहरी सतह और स्थिति की लगातार निगरानी की गई। एसजीआरटी तकनीक उपचार के दौरान मरीज की स्थिति में होने वाले बदलावों को वास्तविक समय में पहचानने में मदद करती है। चिकित्सकों के अनुसार, कुछ मरीजों को पारंपरिक मास्क से घुटन, बेचैनी या घबराहट महसूस हो सकती है। ऐसे उपयुक्त मरीजों में मास्क-रहित उपचार अधिक सहज अनुभव प्रदान कर सकता है। हालांकि, यह विकल्प सभी मरीजों के लिए उपयुक्त नहीं होता और इसका निर्णय बीमारी, उपचार क्षेत्र तथा चिकित्सकीय आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

पेज 11 के शेष...

टामन को वीआईपी ...

स्टाफ के साथ सहायक जेल अधीक्षक अथवा उससे वरिष्ठ रैंक के अधिकारी भी अनिवार्य रूप से साथ जाएंगे। इसके अलावा सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात जेलकर्मी बॉडीवार्न कैमरा लगाएंगे। मुख्यालय ने सभी जेल अधीक्षकों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

मानव तस्करों ने बदला ...

वर्ष में स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों से करीब 270 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया है। रेस्क्यू के दौरान ही तस्करी का सिस्टम बदलने जाने का खुलासा हुआ। बहरहाल बाल कल्याण समिति के आदेश के बाद रेस्क्यू किए गए इन बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा गया। रेलवे प्रशासन के अनुसार बच्चों की सुरक्षा के लिए स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।**जनरल कोच से स्लीपर और थर्ड एसी तक पहुंचा तरीका** :कार्रवाई बढ़ने के बाद तस्करों ने यात्रा का तरीका भी बदला है। पहले जनरल कोच में बच्चों के साथ यात्रा करने के मामले सामने आते थे, लेकिन अब कुछ मामलों में स्लीपर और थर्ड एसी कोच का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई है। अच्छे कपड़े पहनाकर बच्चों को सामान्य यात्रियों जैसा दिखाने की कोशिश भी की जाती है। जांच में ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां बच्चों को स्पोर्ट्स या अन्य आयोजनों में शामिल होने का बहाना बनाकर ले जाने की कोशिश की गई।

स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा निर्णय

जंगल सफारी को बचाएगा गुजरात का वनतारा, लेंगे तकनीकी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

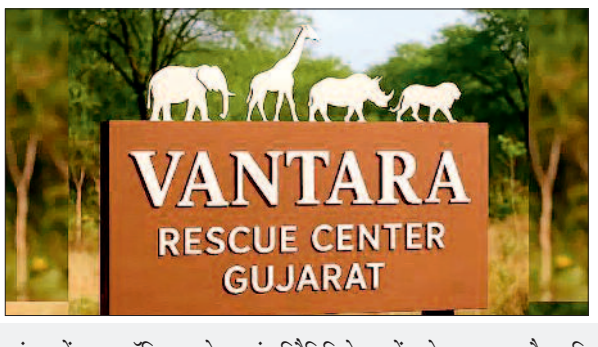
मानव निर्मित एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी में अब गुजरात, जामनगर के निजी जू ग्रींस जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर (वनतारा) की एंट्री होने वाली है। इस संबंध में 5 अक्टूबर को होने वाली स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की मीटिंग में निर्णय लिया जाएगा।

विभागीय स्तर पर जो मसौदा तैयार किया गया है, उसके हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ ही वन्यजीवों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए जंगल सफारी प्रबंधन को मदद करने का काम वनतारा जू की टीम करेगी। जीजेडआरआरसी के साथ एमओयू का जो मसौदा तैयार किया गया है, उसमें वन्यजीवों के विविध संग्रह के प्रबंधन, संरक्षण, कल्याण, स्वास्थ्य सेवा, बचाव (रेस्क्यू) और पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के कार्य शामिल हैं। संस्था की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करने तथा वन्यजीव प्रबंधन में समकालीन सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की सुविधा के लिए, ग्रीन्स जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर के साथ एक औपचारिक तकनीकी सहयोग ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव है।

नौ अलग-अलग बिंदुओं पर एमओयू करने की तैयारी

इसलिए एमओयू करने पर विचार

विभाग के अनुसार जीजेडआरआरसी, सीजेडए द्वारा मान्यता प्राप्त एक प्राणी शास्त्रीय और बचाव-पुनर्वास संस्थान है, जिनके पास वन्यजीव स्वास्थ्य सेवा, बचाव, पुनर्वास, संरक्षण प्रजनन (कंजर्वेशन ब्रीडिंग) और वैज्ञानिक प्रबंधन में विशेष बुनियादी ढांचा और विशेषज्ञता है। प्रस्तावित एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करेगा।



इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर एमओयू

- वन्यजीव प्रबंधन और संरक्षण - इसके तहत दोनों संस्थान मिलकर वन्यजीवों के संरक्षण, उनकी ब्रीडिंग और उनकी संख्या के प्रबंधन पर काम करेंगे। साथ ही सीजेडए के दिशा-निर्देशों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान और डेटा साझा करेंगे।
- पशु चिकित्सा और स्वास्थ्य - इसमें जानवरों के इलाज के तरीकों, रोगों की जांच, रेस्क्यू और पुनर्वास को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञता साझा की जाएगी। इसके अलावा जानवरों के पोषण और उनके रहने के तौर-तरीकों को सुधारा जाएगा।
- क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण - कीपरों, डॉक्टरों और तकनीकी कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और एक्सचेंज विजिट (एक-दूसरे के संस्थान में जाना) आयोजित किए जाएंगे।
- बुनियादी ढांचा और बायो-सिक्योरिटी - चिड़ियाघर के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, क्वारंटाइन नियमों और बायो-सिक्योरिटी (जैविक सुरक्षा) के सर्वश्रेष्ठ तरीकों को आपस में साझा किया जाएगा।
- भविष्य का सहयोग - यदि दोनों संस्थान भविष्य में किसी नए विषय पर सहयोग करना चाहें, तो वे सरकार और सीजेडए के नियमों के दायरे में रहकर ऐसा कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

धोबी समाज का आज से सामाजिक एकता अभियान

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ धोबी समाज क्षेत्रीयतावाद फिरकापरस्ती



समाप्त करने के लिए हर जिले में सामाजिक एकता अभियान चला रहा है, जिसकी शुरुआत राजधानी के नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द से समाज के प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर, सामाजिक चिंतक संतराम कन्नौजे, उपाध्यक्ष चंद्रहास निर्मलकर करेंगे। इस अभियान में राज्य शासन के नगर निगम के निर्माणिक प्रयास से निर्मित कॉन्फ्रेंस हॉल, बाउंड्रीवॉल, ज्योति जवारा कक्ष, रसोई कक्ष, छात्रावास भवन के उद्घाटन की तिथि और अतिथि चयन के लिए भी विचार-विमर्श किया जाएगा और छत्तीसगढ़ प्रदेश के अलावा जिला कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी और परीक्षेत्रीय कार्यकारिणी के विस्तार के लिए रणनीति बनाई जाएगी, साथ ही चुनाव तिथि की घोषणा भी की जाएगी। इसी दौरान छत्तीसगढ़ से महाराष्ट्र में रोजी रोजगार के तलाश में गए मूलचंद निर्मलकर, जिसे राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र के नागपुर शहर का महासचिव बनाया है, उनका सम्मान किया जाएगा। समाज के प्रवक्ता हीरालाल निर्मलकर, राजधानी के महासचिव टामन कन्नौजे के संयुक्त जानकारी के अनुसार, सभी जिला अध्यक्षों को मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही परीक्षेत्रीय अध्यक्षों को भी जिम्मेदारी दी जाएगी।

आम जनता की गाढ़ी पसीने की कमाई से मिले टैक्स के पैसे से हवा-हवाई योजना

तीन तालाबों के कायाकल्प पर फूंके 44 करोड़, फिर भी सरोवर-धरोहर की दुर्दशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सरोवर हमारी धरोहर का स्लोगन भले ही सुनने में पढ़ने में अच्छा लगता हो, पर सालों से शहर की ऐतिहासिक पहचान, दैनिक दिनचर्या का अंग बने तालाबों को संवारने तथा जलस्तर सुधारने के मामले में नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड चूक गई। एक तरफ आम जनता के गाढ़ी मेहनत की कमाई के पैसे से मिले सरकारी टैक्स से अलग-अलग चरण में योजना बनाकर शहर के बूढ़ातालाब, कटोरा तालाब और रायपुरा के विप्रनगर स्थित बघवा तालाब की सफाई, गहरीकरण, सौंदर्यीकरण की योजना बनाकर काम किया गया, वहीं देखरेख के अभाव में करोड़ों खर्च कर बनाई गई योजना कुछ ही समय बाद तालाबों की भव्यता के दावों की पोल खोलते नजर आ रही है।

चाहे वह शहर का ऐतिहासिक बूढ़ातालाब हो, जहां तालाब से नीलाभ गार्डन के बीच स्थापित 5 करोड़ का म्यूजिकल फाउंटेन या फिर रोप वे, लेजर लाइट शो और बोटिंग की सहूलियत का कहीं अता-पता नहीं है। कटोरा तालाब की कमोबेश यही स्थिति है, जहां तालाब के चारों ओर की रंगबिरंगी लाइटों में से अधिकांश बंद पड़ी हैं। तालाब की सफाई, सौंदर्यीकरण का भी बुरा हाल है। बघवा तालाब की सरहदी दीवार तो पहली बारिश में भरभरा कर गिर गई।



बघवा तालाब की सरहदी दीवार गिरी, लाइटें बंद,, असमाजिक तत्वों का डेरा, सौंदर्यीकरण में 4 करोड़ खर्च : संत रविदास वार्ड के रायपुरा स्थित विप्र नगर के बघवा तालाब के सौंदर्यीकरण, गहरीकरण, सफाई और गार्डन विकसित करने में 2:50 करोड़ खर्च हुए । अमृत मिशन के तहत तालाब का काम हुआ। इसमें ओपन जिम का भी प्रावधान रहा, पर तालाब के एक हिस्से बड़ा भूखंड होने के बाद भी जिम के उपकरण नहीं लग पाए। तालाब की दशा तो सुधरी, पर पाथवे के आसपास लगाई गईं कई लाइटें बंद पड़ी हैं। जोन और निगम मुख्यालय में शिकायत के बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ठेका एजेंसी और निगम की मनमानी का खामियाजा वहां के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने और अंधेरे की आड़ में खुलेआम नशाखोरी करना आम बात हो गई है। इसके चलते महिलाएं बुजुर्ग और बच्चों को वहां जाने से डर सताने लगा है। इधर मार्निंग और इवनिंग वॉक करने वाले हैरान हैं कि जिस बघवा तालाब को बड़े जतन से करोड़ों खर्च कर गहरीकरण, सफाई और सौंदर्यीकरण कर लोगों की सहूलियत के लायक बनाया,पर निगम देखरेख नहीं कर पा रहा, खासकर सुरक्षा के मुद्दे पर सब फेल हैं।



धान के कटोरा का आकार, नाम- कटोरा तालाब, 4 करोड़ का सौंदर्यीकरण

शहर के सिविल लाइंस वार्ड स्थित कटोरा तालाब के बारे में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ये है कि कटोरे जैसी संरचना के चलते इस तालाब का नाम कटोरा तालाब प्रचलित हुआ। यह तालाब ऊपर से गोल और कटोरे की भांति गहरा बना हुआ है। ब्रिटिश शासन के दौरान रायपुर को प्रशासनिक केंद्र बनाया गया, तब कटोरा तालाब के समीप का क्षेत्र सिविल लाइंस के रूप में विकसित हुआ। यहां अधिकारियों के आवास और प्रशासनिक भवन तथा चौड़ी सड़कें बनाई गईं। राज्य बनने के बाद शहर के सबसे प्रमुख व पॉश व्यावसायिक एवं आवासीय इलाकों में से एक है। शहरीकरण के दौर में जब तालाब में गंदगी और गाद जमा होने लगी, तब रायपुर नगर निगम और प्रशासन द्वारा इसके संरक्षण की योजना बनाई गई। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम ने 2017-18 में कटोरा तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना लाकर तालाब के चारों ओर पक्के वॉकिंग ट्रैक, लाइट, फौवारे लगवाए, हरियाली और बैठने की व्यवस्था कर इसे सुंदर शहरी पार्क का रूप दिया। इसके संपूर्ण जीर्णोद्धार , रिटेनिंग वॉल निर्माण, लाइटिंग, ओपन जिम और फौवारा स्थापित करने में 4 करोड़ खर्च किए, पर देखरेख के अभाव में तालाब में लगाया गया फौवारा अरसे से बंद पड़ा है। तालाब के पानी में गाद की मोटी परत जमा है। तालाब के चारों ओर बनाए गए वॉकिंग पाथवे के कई पेवर ब्लाक उखड़ गए, ओपन जिम और बच्चों के झूले टूट-फूट होने के बाद सुधारे नहीं गए।न तो निगम मुख्यालय और न ही संबंधित जोन के अफसर दोबारा यहां की दशा देखने आए। कुल मिलाकर तालाब की भव्यता फीकी पड़ गई।

पुलिस का फेरा और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग

बघवा तालाब से लगे रहवासी इलाके में अंधेरे और पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते विप्रनगर में चोरी की पूर्व में घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों का कहना है, पुलिस का फेरा इस क्षेत्र में यदि देर शाम-रात लगता रहे और सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरे लगा दिए जाएं तो लोगों को राहत मिल सकती है। नगर निगम जोन 8 और निगम मुख्यालय में बैठे इंजीनियरों से भी क्षेत्र में प्रकाश की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई है। स्थानीय वार्ड पार्षद को भी लोगों ने अपनी समस्या से अवगत कराया है।

बूढ़ातालाब को चमकाने दो फेज में 36 करोड़ फूंके, फिर भी नहीं सुधरी हालत



रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम रायपुर ने बूढ़ातालाब का कायाकल्प और पुनरुद्धार परियोजना मई -जून 2020 में शुरू की। तत्कालीन महापौर एजाज ढेबर के कार्यकाल में इस तालाब में सालों से जमा गाद और जलकुंभी को साफ कराकर जलक्षेत्र को दुरुस्त किया गया। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड दो चरण में बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण कार्य कराया। जिस पर 36 करोड़ रुपए खर्च हुए। 5 करोड़ का म्यूजिकल फाउंटेन तालाब के मध्य लगाया गया। तालाब के चारों ओर रंगबिरंगी लाइटें लगाई गईं। वॉकिंग, जाॅगिंग ट्रैक, बूढ़ापारा के दानी स्कूल से नीलाभ गार्डन तक आने-जाने फ्लोटिंग डेक, आईलैंड बनवाया गया। लोगों के नौका विहार के लिए बोटिंग की सुविधा लेकर लेजर शो, बच्चों के लिए प्ले एरिया विकसित किया गया। बूढ़ातालाब के चारों ओर आम जनता की सुविधा के लिए परिक्रमा पथ का निर्माण, तालाब की सुंदरता निखारने लैंडस्केपिंग कराई गई। दावा ये किया गया कि बूढ़ातालाब को अंचल का सबसे सुंदर और भव्य पर्यटक स्थल बनाएंगे, जहां दूर-दूर से लोग इसकी भव्यता निहारने आएंगे, पर सौंदर्यीकरण के बाद इसकी देखरेख और संचालन पर समुचित ध्यान नहीं दिए जाने से म्यूजिकल फाउंटेन अरसे से बंद पड़ा है। इसके पुराने कलपुर्जे तालाब में डूबकर सड़ने की स्थिति में हैं। तालाब के चारों ओर लगाई गई महंगी लाइटों में से कई बंद पड़ी हैं। बच्चों के लिए बनाया किड्स एरिया देखरेख के अभाव में अपनी पहचान खो रहा है। तालाब का पानी प्रदूषित हो चला है, क्योंकि आसपास के नाले-नालियों को पूरी तरह डायवर्ट नहीं किए जाने से पानी में बदबू उठने लगी है।



भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति के पितृपक्ष के बाद ही आने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू के अभी पितृपक्ष तक आने की संभावना नहीं है। इसी के साथ प्रदेश के नए संगठन महामंत्री कर्मवीर का भी अभी आना तय नहीं है। उनका यहां पर नवरात्रि के आसपास या फिर उसके बाद आगमन होगा। इसी के साथ पवन साय भी अभी झारखंड नहीं जा रहे हैं। वर्तमान में सभी राज्यों में सेवा संकल्प अभियान भी चल रहा है। यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के समापन के बाद ही नए पदाधिकारी अपने-अपने नए राज्यों में जाएंगे।



■ नए संगठन महामंत्री कर्मवीर भी नवरात्रि के आसपास ही आएंगे

छत्तीसगढ़ को आठ माह बाद नया प्रदेश प्रभारी मिला है। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद से ही प्रदेश प्रभारी का जिम्मा उनके पास था। बीते माह राष्ट्रीय संगठन ने कई राज्यों के प्रदेश प्रभारी और सहप्रभारी घोषित किए, इनमें छत्तीसगढ़ में स्मृति ईरानी को नया प्रभारी और सिद्धार्थ शंभू को नया सहप्रभारी बनाया गया है। नए प्रभारियों और सह प्रभारियों की दिल्ली में 29 सितंबर को हुई बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी और सहप्रभारी के आने की संभावना थी, लेकिन अब प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों का कहना है कि अभी कोई भी कार्यक्रम नहीं बना है। अभी तो पितृपक्ष चल रहा है।

ऐसे में अभी इनके आने की संभावना नहीं है। 7 अक्टूबर के कार्यक्रम में भी इनके आने की संभावना नहीं है।

प्रीमियम वाइन शॉप कैशलेस

■ नेटवर्क, पैसा ट्रांजेक्शन में देरी से परेशान हुए शौकीन

अब ऑनलाइन पेमेंट पर ही मिलेगी शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश शासन तथा आबकारी विभाग के आदेश पर गुरुवार से प्रदेश की सभी प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों में शराब खरीदी करने कैशलेस सुविधा शुरू कर दी गई है। कैश में शराब बिक्री पूरी तरह से बंद कर दी गई है। शराब खरीदने ग्राहकों को यूपीआई तथा कार्ड से पेमेंट करना पड़ रहा है। पहले दिन रायपुर की कई प्रीमियम शॉप में ट्रांजेक्शन में परेशानी होने की बात सामने आई है। इसके लिए सेल्समैन समेत शराब खरीदने वाले ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शासन के निर्देशों के मुताबिक, संबंधित दुकानों को नई भुगतान प्रणाली के अनुसार संचालन करना होगा। 1 अक्टूबर से लागू इस बदलाव के कारण प्रीमियम मदिरा दुकानों में खरीदारी का तरीका बदल गया है। अब ग्राहकों को नकदी लेकर जाने के बजाय ऑनलाइन भुगतान का माध्यम उपलब्ध रखना होगा। नकद भुगतान की सुविधा बंद होने के कारण मदिरा खरीदी के समय पूरी राशि डिजिटल तरीके से चुकानी होगी।



इसलिए ऑनलाइन बिक्री : शराब दुकान में तय कीमत से ज्यादा कीमत पर शराब बिक्री करने की शिकायतें मिलती रहती हैं। साथ ही शराब दुकान में काम करने वाले सेल्समैन तथा अन्य के खिलाफ पैसों की अफरातफरी की शिकायतें भी होती रहती हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए शासन ने सभी प्रीमियम शॉप से कैशलेस शराब बिक्री करने का निर्णय लिया है। इससे शराब की कीमत को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी।

एमडीआर को लेकर केंद्रीय वित्तमंत्री से मिले व्यापारी दो संगठनों ने नो यूपीआई डे का फैसला लिया वापस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

2 हजार रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 4.0 मर्चेंट डिस्काउंट रेट को लेकर व्यापारिक संगठनों ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में देश के विभिन्न राज्यों से वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वित्तमंत्री से मुलाकात कर एमडीआर के संभावित प्रभावों

से अवगत कराया। व्यापारियों ने एमडीआर से छोटे और मध्यम कारोबारियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक भार की चिंता रखी। बैठक के बाद दो व्यापारिक संगठनों ने 2 अक्टूबर को प्रस्तावित नो यूपीआई डे का आव्हान वापस ले लिया। कैट के नेशनल राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि 2000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.40 प्रतिशत



मर्चेंट डिस्काउंट रेट को लेकर देशभर के व्यापारिक संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बीच नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ व्यापारिक नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल, ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन कैलाश लाखयानी तथा ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा सहित विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई प्रमुख व्यापारिक नेता शामिल थे।

कैट ने किया निर्णय का स्वागत

बैठक के बाद ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने 2 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित "नो यूपीआई डे" के आव्हान को वापस लेने का निर्णय लिया है। कैट ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार और व्यापारिक संगठनों के बीच संवाद के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ना सकारात्मक संकेत है। राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यूपीआई ने देश में डिजिटल भुगतान को नई गति दी है और व्यापारियों तथा ग्राहक दोनों के लिए भुगतान को सरल एवं सुविधाजनक बनाया है। ऐसे में व्यापारियों पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार न पड़े, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। श्री पारवानी ने कहा कि छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के लिए भुगतान की लागत सीधे उनके व्यवसाय की लाभप्रदता से जुड़ी होती है, इसलिए किसी भी नई व्यवस्था को लागू करने से पहले व्यापारिक संगठनों से चर्चा और उसके व्यावहारिक प्रभाव का आकलन जरूरी है। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण एवं वित्त मंत्रालय द्वारा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनने तथा सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखने के आश्वासन का स्वागत किया है।

मुआवजा राशि बढ़ाने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का अब तक पालन नहीं

वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह आज से, औपचारिकता निभाएगा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

देशभर में दो अक्टूबर से एक सप्ताह तक वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। छत्तीसगढ़ वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह के नाम पर स्कूल कालेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को जू अथवा आसपास के वनक्षेत्र में ले जाकर वन्यजीवों के बारे में थोड़ी-बहुत जानकारी देकर कार्यशाला, प्रतियोगिता का आयोजन कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। हाथी प्रभावित क्षेत्र के लोगों को हाथी से बचाव की जानकारी देने पूरे सप्ताह जोर-शोर से अभियान चलाया जाता है।

वन्यजीवों के हमले तथा फसल नुकसान होने पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एनटीसीए ने जो गाइडलाइन जारी की है, उस गाइडलाइन के अनुसार यहां मुआवजा निर्धारित नहीं है। इस कारण लोगों के मन में वन्यजीवों की रक्षा तथा उनके आने-जाने जो सुरक्षा गलियारा देना चाहिए, इस ओर ग्रामीण ध्यान नहीं देते। वन्यजीव खासकर हाथी तथा जंगली सुअर से अपनी फसल बचाने ग्रामीण इन्हें मारने तक का उपाय करते हैं। इस कारण राज्य के हाथी प्रभावित जिलों में आए दिन करंट तथा अन्य कारणों से हाथियों की मौत होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

मुआवजा बढ़ाने की फाइल तीन साल से ठंडे बस्ते में : पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ कार्यालय ने 29 मार्च 2023 को हाथी द्वारा फसल खराब करने पर प्रति एकड़ 20 हजार रुपए मुआवजा देने शासन के पास प्रस्ताव भेजा था, लेकिन फाइल अब तक ठंडे बस्ते में है। राजस्व विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, किसान प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की पैदावार करता है। किसान को समर्थन मूल्य में अपनी उपज बेचने पर प्रति एकड़ फसल के हिसाब से 65 हजार रुपए मिलते हैं।



■ वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह आज से, छग में जानवर तो क्या, मानव भी असुरक्षित

शासन स्तर पर मुआवजा पॉलिसी : राज्य शासन ने हाथी, भालू समेत अन्य वन्य प्राणियों द्वारा जनहानि किए जाने पर दी जाने वाली सहायता राशि 6 लाख रुपए है। स्थायी रूप से अपंग होने पर दो लाख रुपए, घायल होने पर 59 हजार एक सौ रुपए, पशु हानि होने पर 30 हजार रुपए मुआवजा राशि देने का प्रावधान है। वन्यजीवों को खासकर हाथी को नुकसान पहुंचाने की सबसे ज्यादा घटनाएं फसल नुकसान करने पर पहुंचाई जाती हैं।

जितनी लागत, उसका एक चौथाई मुआवजा

हाथियों द्वारा फसल का नुकसान करने पर राज्य में वर्तमान में प्रति एकड़ नौ हजार रुपए मुआवजा दिया जाता है। हाथियों द्वारा धान की फसल को तब नुकसान पहुंचाया जाता है, जब धान की फसल में दूध भरने का समय रहता है। दूध भरने के एक माह के भीतर धान की फसल पूरी तरह से तैयार हो जाती है। फसल पककर तैयार होने तक किसान प्रति एकड़ 30 हजार रुपए से ज्यादा खर्च कर चुका होता है।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

गोधा बर्मन प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को फैसला सुनाया था। इस फैसले के अनुसार वन्यजीव के हमले से मौत होने पर 10 लाख रुपए, गंभीर चोट के लिए दो लाख तथा मामूली चोट के इलाज के लिए 25 हजार रुपए मुआवजा दिया जाना है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि एनटीसीए के निर्देश जारी किए जाने के छह माह के भीतर फैसले पर अमल किया जाए। एनटीसीए ने जनवरी 2026 में निर्देश जारी किए। इस तरह सुप्रीम कोर्ट तथा एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार मुआवजा निर्धारित नहीं करना सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है।



हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 2 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937





● अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज कल्याण विभाग और संस्थाओं ने सजाया मंच

60 की उम्र में सजाई 90 के दशक में चर्चित गीतों की महफिल, इंडोर में श्रोताओं ने भी गायकी को सराहा

मेरे सामने वाली खिड़की में..., 'फूलों के रंग से, दिल की तरंग से' गाने ..., सावन का महीना पवन करे शोर..., जैसे 90 के दशक में चर्चित गीतों को 60 की उम्र में गाते हुए महाराष्ट्र मंडल के सभासदों ने गीत-संगीत की महफिल सजाई। अवसर था अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सेवा संकल्प के क्रम में सियान सेवा महाकुंभ का। इसे यादगार बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में गरिमामय आयोजन किया गया। इस श्रृंखला को अलग-अलग संस्थाओं ने भी आगे बढ़ाया। दिन विशेष की महत्ता को सार्थक करने के लिए प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' एवं 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' का शुभारंभ भी किया गया।







रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर गुरुवार को इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा भव्य आयोजन किया गया। इसमें समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने वरिष्ठ नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया। इस आयोजन में महाराष्ट्र मंडल और समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित सियान गुड़ी में समय बिताने वाले 60 से अधिक उम्र के सदस्यों ने 4 हजार से अधिक वरिष्ठजनों से सजे स्टेडियम में 90 के दशक में चर्चित गीतों की श्रृंखला सजाते हुए वृद्धजनों और श्रोताओं को संगीतमय वातावरण देने के लिए मंच साझा किया।

सियान गुड़ी की प्रस्तुतियों को जहां श्रोताओं से अच्छा रिस्पांस मिल रहा था। वहीं गीतों की महफिल को सजाने में प्रसन्न निमोणकर, हेमंत मार्डीकर, प्रकाश मरकले और दिव्या पात्रीकर ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। 'सियान सेवा महाकुंभ' में जब सियान गुड़ी के श्री निमोणकर ने सुरीली आवाज में 'जिंदगी कैसी है पहेली हाये, कभी ये हंसाए..' गीत गाए तो वरिष्ठजनों से खचाखच भरे हुआ स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

दो नए प्रोजेक्ट का महाकुंभ में शुभारंभ

महाकुंभ में नई सियान आशीष सेवा योजना के तहत 80 वर्ष से अधिक उम्र के 1810 वरिष्ठजनों को सम्पूर्ण भारत में निःशुल्क यात्रा के लिए बस पास दिया। वृद्धजनों को 2 हजार छड़ियां, एक हजार श्रवण यंत्र और 20 ट्राइसाइकिल वितरित किया गया। बस पास से उन्हें यात्रा में सुविधा मिलेगी, जबकि सहायक उपकरण उनकी दिनचर्या को सुगम बनाएंगे। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि वरिष्ठजन हमारी सांस्कृतिक विरासत और जीवन अनुभव के संवाहक हैं। अपने परिश्रम से परिवार और समाज को मजबूत आधार दिया। ऐसे मार्गदर्शकों का सम्मान करने के साथ उनके अनुभव को समाज के विकास में स्थान देना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प और नवा अंजोर-अंजोर 2047 की सोच में वरिष्ठजनों की भागीदारी खास होगी। इस दिन विशेष की महत्ता को सार्थक करने के लिए प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' एवं 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' का शुभारंभ किया।

वृद्धजनों का पूजन करके लिया आशीर्वाद

सेवा संकल्प की श्रृंखला में ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत नगर पंचायत माना कैंप स्थित वृद्धाश्रम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर पूजन करके सम्मान किया गया। वरिष्ठ नागरिक समाज की मजबूत नींव और अनुभवों की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान, उनकी देखभाल और अपनेपन का एहसास कराना हम सभी का कर्तव्य है। उनके पास जीवन का अनुभव होता है, कोई परेशानी आती है तो वह रास्ता बताते हैं। इसलिए घर के बुजुर्ग भगवान के समान हैं। उनकी सेवा और सम्मान करना हमारा संस्कार और जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रदीप विश्वास, राकेश प्रधान एवं जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए।





इनकी उपस्थिति से इंडोर में सजा उत्सव

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास, विधायक पुरंदर मिश्रा एवं मोतीलाल साहू शामिल हुए। समाज कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, कलेक्टर गौरव सिंह, निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, संचालक गजेंद्र सिंह ठाकुर की मंचीय उपस्थिति से आयोजन के बीच गीत-संगीत का सिलसिला भी चल रहा था। सभी अतिथियों ने प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' और 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' के लिए बधाई दी।

सिटी इवेंट

डीयू के राष्ट्रीय जीएसटी सेमिनार में प्रदेश के वल्लभ वोरा को बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड



रायपुर। दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में छत्तीसगढ़ के युवा विधि शोधार्थी वल्लभ वोरा को बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 25 और 26 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में आयोजित सेमिनार का विषय भारत में जीएसटी कानून : सुधारों की समीक्षा, चुनौतियों पर विचार और विकसित भारत 2047 के लिए आगे की राह' था। सेमिनार में न्यायपालिका, शिक्षा और कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वरिष्ठ प्रोफेसरों, जीएसटी कानून से जुड़े लॉ फर्मों के पार्टनर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की मौजूदगी में शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

छत्तीसगढ़ से एकमात्र चयनित शोधार्थी

सेमिनार के लिए देशभर से बड़ी संख्या में रिसर्च पेपर प्राप्त हुए थे। चयन प्रक्रिया के बाद जिन शोधपत्रों को प्रस्तुति के लिए चुना गया, उनमें वल्लभ वोरा का शोधपत्र भी शामिल रहा। पूरे छत्तीसगढ़ से उनके शोधपत्र का चयन हुआ और उन्होंने इस राष्ट्रीय मंच पर **NMIMS** का प्रतिनिधित्व किया। अपने शोधपत्र में वल्लभ ने जीएसटी कानून की वर्तमान चुनौतियों, आवश्यक सुधारों और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में जीएसटी की भूमिका का विश्लेषण किया। प्रस्तुति के दौरान विषय की स्पष्ट समझ और कानूनी पहलुओं की व्याख्या के लिए उन्हें निर्णायक मंडल की ओर से सराहना मिली और बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड प्रदान किया गया।

आरपीएफ के 36 बैंड सदस्यों ने सजाई सुरों की महफिल, देशभक्ति गीतों से गूंजा मॉल

रायपुर। रेलवे सुरक्षा बल के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर में विशेष संगीतमय प्रस्तुतियों की शुरुआत हुई। स्थापना दिवस समारोह के तहत 1 से 8 अक्टूबर तक शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आरपीएफ के ब्रास और पाइप बैंड की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को मैग्नेटो मॉल में बैंड दल ने लोकप्रिय और देशभक्ति गीतों की धुनों से लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

मैग्नेटो मॉल में शाम 4.30 से 5.30 बजे तक हुई प्रस्तुति में ब्रास बैंड के 18 और पाइप बैंड के 18, कुल 36 सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैंड दल ने विभिन्न लोकप्रिय और देशभक्ति गीतों की मधुर धुनें प्रस्तुत कीं। मॉल में मौजूद नागरिकों, कर्मचारियों और आगंतुकों ने प्रस्तुति का आनंद लिया और बैंड सदस्यों की सराहना की।



जनता से जुड़ाव बढ़ाने की पहल: रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार इन प्रस्तुतियों का उद्देश्य आम लोगों को बल की अनुशासनप्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ उसकी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। इसके साथ ही आरपीएफ और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय और जनसंपर्क को मजबूत करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है। आरपीएफ का 42वां स्थापना दिवस समारोह 9 अक्टूबर को रेलवे वर्कशॉप ग्राउंड, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सोनाली मिश्रा के मार्गदर्शन में होगा। समारोह में रेल मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। स्थापना दिवस के पूर्व शहर में 8 अक्टूबर तक प्रतिदिन अलग-अलग प्रमुख स्थानों पर आरपीएफ के ब्रास और पाइप बैंड की संगीतमय प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

फैशन प्रदर्शनी में जरूरतमंद महिलाओं के हुनर को मिला मंच

रायपुर। विधानसभा रोड स्थित रामा वर्ल्ड में गुरुवार को मिलान फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन वन बंधु परिषद महिला समिति की प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने किया। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।

आयोजनकर्ता मीनू मित्तल और विनीता डोडई ने बताया कि वर्ष 2017 में शुरू हुई मिलान फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का उद्देश्य महिलाओं को फैशन, लाइफस्टाइल और उद्यमिता से जुड़े अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाओं को नए ग्राहकों से जुड़ने और अपने काम को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। मीनू मित्तल ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में यह आयोजन महिलाओं के लिए एक ऐसा मंच बना है, जहां वे अपने उत्पादों और हुनर को लोगों के सामने प्रस्तुत कर सकती हैं। वहीं विनीता डोडई ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके छोटे-छोटे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर बरखा अन्दानी, बिंदिया अग्रवाल, वर्षा जैन, रेशमा निहिचलानी, कनिष्का चंचलानी, ज्योति अग्रवाल, ऋतु बंसल, पारुल अग्रवाल, मधु मित्तल, किरण अग्रवाल, देवी अग्रवाल, कविता तनवानी, सविता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।



नम्रता तिवारी बनीं मिसेस छत्तीसगढ़ इंडिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ की नम्रता तिवारी ने ग्लैमर की दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करते हुए 'मिसेस छत्तीसगढ़ इंडिया' का खिताब अपने नाम किया है। रायपुर के ललित महल में डॉ. रूना शर्मा की ओर से आयोजित आरना फाउंडेशन, ब्यूटी आइकॉन इंडिया एवं ग्लोबल आइकॉन ऑफ इंडिया सीजन-7 प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। नम्रता तिवारी छत्तीसगढ़ की जानी-मानी यूट्यूबर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हैं। वे अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रदेश की कला, संस्कृति, परंपराओं और यहां की विशिष्ट पहचान को देश-दुनिया के लोगों तक पहुंचाती रही हैं। उनके वीडियो के जरिए छत्तीसगढ़ से जुड़े कई पहलुओं को लाखों लोगों तक पहुंचने का अवसर मिला है। यूट्यूब के क्षेत्र में पहचान बनाने के बाद अब नम्रता ने ग्लैमर की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई है। 'मिसेस छत्तीसगढ़ इंडिया' का खिताब हासिल करने के बाद उन्होंने इसे प्रदेश की महिलाओं के लिए प्रेरणा बताया। नम्रता ने कहा कि शादी, परिवार और घर की जिम्मेदारियां महिलाओं के सपनों का अंत नहीं हैं, बल्कि कई बार यही जिम्मेदारियां उन्हें अपनी नई पहचान बनाने का अवसर देती हैं। उन्होंने महिलाओं को अपने सपनों पर विश्वास रखने और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करते रहने का संदेश दिया।



कार्नर न्यूज

वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के अनुकूल और सोलर चरखे से बुने प्रीमियम खादी के कपड़ों की बढ़ी मांग

खादी फैशन का यूथ में बढ़ा क्रेज, मॉर्डन मिनी ड्रेसेस लॉन्ग फ्रॉक और कैजुअल शर्ट, जैकेट पहली पसंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रीमियम खादी से बने फैशन आउटफिट्स का क्रेज आज दुनिया भर में सिर चढ़कर बोल रहा है। कभी सिर्फ सादगी का प्रतीक माने जाने वाले पारंपरिक वस्त्र अब ग्लोबल मार्केट में एक प्रीमियम लग्जरी और सस्टेनेबल फैशन स्टेटमेंट बन चुके हैं। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि राज्य खादी ग्रामोद्योग के खादी प्रीमियम सेल्स आउटलेट में राज्य के साथ-साथ दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, जयपुर देश के टॉप सिटी के लोग प्रीमियम खादी के फैशन आउटफिट की डिमांड कर रहे हैं। देश ही नहीं विदेशों में रहने वाले भारतीय भी खादी फैशन के दीवाने हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के सहायक संचालक डमरूधर पटेल ने बताया कि खादी फैशन को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के रूप में स्थापित करने विभाग की ओर से लगातार नवाचार किया जा रहा है। इस नवाचार में पारंपरिक तरीके की जगह अब सोलर चरखे से सूत कातकर प्रीमियम खादी के कपड़े तैयार किए जा रहें हैं। इस प्रीमियम खादी से ब्रांडेड फैशन आउटफिट्स तैयार कराया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के स्थानीय बुनकारों व कारीगरों को वर्ल्ड क्लास फैशन डिजाइनिंग में प्रशिक्षित किया गया है। राज्य खादी ग्रामोद्योग की इन नवाचारों का ही नतीजा है कि आज की नई पीढ़ी से लेकर हर वर्ग खादी फैशन का लाइफ स्टाइल से जोड़ रहा है।

पारंपरिक व आधुनिक फैशन डिजाइनिंग का कांबिनेशन

स्थानीय कारीगरों के हुनर और आधुनिक डिजाइनरों के नए प्रयोगों के मेल ने छत्तीसगढ़ की खादी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी है। छत्तीसगढ़ के खादी आउटफिट्स की ग्लोबल डिमांड और ट्रेंड में आने के बड़े कारण पारंपरिक से मॉडर्न ट्रांसफॉर्मेशन है। अब छत्तीसगढ़ के बाजारों और अंतरराष्ट्रीय फैशन शो में खादी सिर्फ पारंपरिक कुर्ते-साड़ियों तक सीमित नहीं है।बल्कि गर्ल्स के लिए कोसा सिल्क गोदना आर्ट्स खादी साड़ियां, खादी के डिजाइनर लहंगे, मॉडर्न मिनी ड्रेसेस, लॉन्ग फ्रॉक और को-ऑर्ड सेट्स तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं। वहीं बॉयज के लिए कैचुअल शर्ट, फार्मल पेंट, कुर्ता-पजामा, जैकेट काफी कैरी किए जा रहे हैं।



ऑल-वेदर फैब्रिक क्वालिटी से विदेशों में बढ़ी मांग

छत्तीसगढ़ी खादी की सबसे बड़ी खूबी ऑल-वेदर फैब्रिक क्वालिटी इसे दुनिया भर में खास बनाती है। यह सस्टेनेबल और ईको-फ्रेंडली फैशन का ब्रांड बनता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के अनुकूल और हाथ से बुने कपड़ों की मांग बढ़ रही है। खादी 100 फीसदी प्राकृतिक, सांस लेने योग्य और त्वचा के अनुकूल होती है। छत्तीसगढ़ी खादी की खूबी यह है कि यह सर्दियों में गर्माहट और गर्मियों में गजब की ठंडक प्रदान करती है, जिसके कारण विदेशों में इसकी मांग लगातार बनी रहती है। 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेड इन इंडिया' उत्पादों के प्रति बढ़ती जागरूकता ने ग्रामीण बुनकरों की कला को सीधे विदेशी खरीदारों से जोड़ा है, जिससे इसकी प्रीमियम वैल्यू बढ़ी है।

आज मंत्री-अधिकारी करेंगे एक मंच से खादी फैशन की ब्रांडिंग

आज महात्मा गांधी जी की जयंती पर पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम साइंस कॉलेज परिसर में सुबह 11 बजे राज्य स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग विभाग की स्वदेशी प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के मंच पर राज्य सरकार के मंत्री, ग्रामोद्योग विभाग के पदाधिकारी प्रीमियम खादी से बने फैशन आउटफिट परिधान धारण कर ब्रांडिंग करेंगे। इसके लिए खादी ग्रामोद्योग विभाग ने पुरुष मंत्रियों व पदाधिकारियों के लिए स्पेशल प्रीमियम खादी के कुर्ता, पजामा, जैकेट तैयार कराएं हैं, तो वहीं महिला मंत्री व पदाधिकारियों, कारीगरों के लिए कोसा सिल्क गोदना आर्ट की साड़िया डिजाइन कराई है।

समाज लाइव

पल्लवी को ऑस्ट्रेलियन वुमेन्स स्मॉल बिजनेस चैंपियन अवॉर्ड्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिभा और उद्यमिता ने ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर प्रदेश का नाम रोशन किया है। डॉ. किरणमयी नायक की बहू पल्लवी नायक और बेटे विक्रम नायक द्वारा शुरू किए गए सोशल मीडिया मार्केटिंग व्यवसाय सोशल सेज ने ऑस्ट्रेलिया में प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। कंपनी को ऑस्ट्रेलियन वुमेन्स स्मॉल बिजनेस चैंपियन अवॉर्ड्स-2026 में चैंपियन मार्केटिंग सर्विस के सम्मान से नवाजा गया है। यह समारोह 26 सितंबर को सिडनी के फुलर्टन होटल में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 800 प्रतिभागी शामिल हुए। 'सोशल सेज' ने ऑस्ट्रेलिया में 5 हजार से अधिक व्यवसायों के नामांकन के बीच अपनी पहचान बनाई। कंपनी ने पहले शीर्ष 25 में जगह बनाई और इसके बाद अंतिम चरण में शीर्ष 10 विजेताओं में शामिल होकर मार्केटिंग सर्विस श्रेणी में चैंपियन का सम्मान हासिल किया।



2022 में मेलबर्न से शुरू हुआ सफर

पल्लवी नायक और विक्रम नायक ने वर्ष 2022 में मेलबर्न से सोशल सेज की शुरुआत की थी। सोशल मीडिया मार्केटिंग और डिजिटल रणनीति के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी ने कम समय में ऑस्ट्रेलियाई बाजार में अपनी पहचान बनाई। कंपनी अब ऑस्ट्रेलिया के अलावा भारत और दुबई तक अपने कारोबार का विस्तार कर चुकी है। सोशल सेज सोशल मीडिया मार्केटिंग, डिजिटल रणनीति, डिजिटल स्टूडियो, ब्रांडिंग और डिजिटल ग्रोथ जैसे क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी का उद्देश्य व्यवसायों और ब्रांड्स को डिजिटल माध्यमों के जरिए व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करना है। ऑस्ट्रेलियन वुमेन्स स्मॉल बिजनेस चैंपियन अवॉर्ड्स के माध्यम से छोटे व्यवसायों की उपलब्धियों, उद्यमिता, नवाचार और महिला नेतृत्व को सम्मानित किया जाता है।

सिटी लाइव

अग्रसेन जयंती की तैयारी पूरी 11 को निकलेगी शोभायात्रा



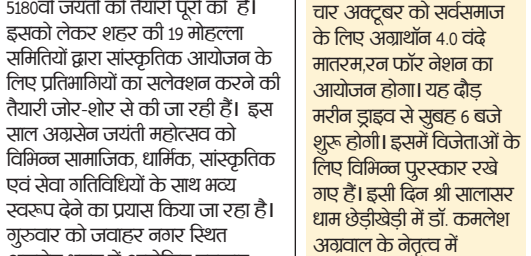
रायपुर। प्रति वर्षों की तरह अग्रवाल समाज ने आराध्य विभूति और समाज के संस्थापक महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5180वीं जयंती की तैयारी पूरी की है। इसको लेकर शहर की 19 मोहल्ला समितियों द्वारा सांस्कृतिक आयोजन के लिए प्रतिभागियों का सलेक्शन करने की तैयारी जोर-शोर से की जा रही हैं। इस साल अग्रसेन जयंती महोत्सव को विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों के साथ भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। गुरुवार को जवाहर नगर स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, महामंत्री मनमोहन अग्रवाल ने दी। अग्रसेन जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित किए जाने पर सीएम विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है। वहीं मीडिया प्रभारी योगेश अग्रवाल और उदित अग्रवाल ने बताया कि 11 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती का मुख्य आयोजन होगा। इसमें राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि व मुख्यमंत्री श्री साय अध्यक्षता करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल एवं एडीआर ग्रुप दिल्ली के चेयरमैन सुशील अग्रवाल शामिल होंगे।

अग्राथॉन 4.0 वंदे मातरम रन फॉर नेशन

चार अक्टूबर को सर्वसमाज के लिए अग्राथॉन 4.0 वंदे मातरम,रन फॉर नेशन का आयोजन होगा। यह दौड़ मरीन ड्राइव से सुबह 6 बजे शुरू होगी। इसमें विजेताओं के लिए विभिन्न पुरस्कार रखे गए हैं। इसी दिन श्री सालासर धाम छेड़ीखेड़ी में डॉ. कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में सर्वसमाज के लिए विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर किया जाएगा। इसमें 60 से अधिक विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। निःशुल्क पैथोलॉजी जांच, नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। 8 एवं 9 को विभिन्न प्रतियोगिताओं के बीच महिला सम्मेलन का भी आयोजन होगा। 10 को अग्रसेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसमें अग्रबंधुओं द्वारा विभिन्न सेवा कार्य किए जाएंगे।

आराधना

पत्रकारिता ऐसी हो, जिससे समाज का कल्याण हो, भ्रम न फैले



रायपुर। बुधवार को पहली बार राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन का आयोजन श्री अग्रसेन धाम में किया गया। सम्मेलन में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से जैन पत्रकार शामिल हुए। आयोजन छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज, रायपुर ने जैन पत्रकार महासंघ के सहयोग से किया। चातुर्मासरत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री आगम सागर जी, मुनि श्री पुनीत सागर जी, ऐलक श्री धैर्य सागर जी और ऐलक श्री स्वागत सागर जी के आशीर्वाद से आयोजित सम्मेलन में 'जैन धर्म आयतनों के संरक्षण एवं संवर्धन में पत्रकारिता की भूमिका' विषय पर परिचर्चा हुई। पत्रकारिता, धर्म, समाज और जैन संस्कृति के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने विचार रखे।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवाडिया, वरिष्ठ पत्रकार नमित जैन, पारस चैनल के डायरेक्टर प्रकाश मोदी और विश्व परिवार के प्रदीप जैन शामिल हुए।

सत्य कहने के लिए निर्भय होना जरूरी

मुनि श्री आगम सागर महाराज ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सत्य वही व्यक्ति कह और लिख सकता है, जिसके हृदय में भय न हो। पत्रकारिता करते हुए सत्य को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सत्य की जीत हमेशा होती है, भले ही इसमें समय लगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी परिस्थिति में सत्य बोलना संभव न हो तो शांत रहना बेहतर है, लेकिन भ्रम फैलाने से बचना चाहिए। सत्य को धर्म बताते हुए उन्होंने पत्रकारों से इसके साथ खिलवाड़ न करने की अपील की।परिचर्चा में जैन समाज की जनसंख्या और पहचान से जुड़े विषय पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि उपलब्ध जनगणना आंकड़ों में जैन समाज की संख्या करीब 44 लाख दर्ज है।

● शारदीय नवरात्रि को लेकर मूर्तिकला केंद्रों में शक्ति स्वरूपा को आकार देने जुटे मूर्तिकार

मिट्टी से लेकर सजावटी समान महंगा, माता के प्रतिमा निर्माण का बजट बढ़कर हुआ दोगुना

शारदीय नवरात्रि के लिए तैयार हो रही माता की प्रतिमा पर महंगाई का असर पड़ा है। प्रतिमा निर्माण के लिए जरूरी सामग्रियों मिट्टी, पैरा, लकड़ी, कलर, सजावटी सामानों के महंगे होने से बजट दोगुनी हो चुके हैं। शहर के कालीबाड़ी स्थित मूर्ति कला केंद्र के मूर्तिकार राकेश पुजारी ने बताया कि पिछले साल 3 फीट की माता की प्रतिमा तैयार करने में 5 हजार रुपए का खर्च आता था। वह अब बढ़कर 7 से 8 हजार हो गया है। इससे 3 फीट की माता की मूर्ति की कीमत 6 हजार से बढ़कर 12 हजार रुपए पहुंच गई है।



भक्ति थीम पर तैयार हो रही माता की प्रतिमा

इस शारदीय नवरात्रि और दुर्गा पूजा के दौरान माता की प्रतिमाएं और पंडाल बहुत ही भव्य और आकर्षक थीम पर तैयार किए जा रहे हैं। मूर्तिकारों ने बताया की शेरावाली, समलाई माता के रुप में समितियों ने प्रतिमा बनवाने ऑर्डर दिए हैं। इस तरह से अलग-अलग थीम पर माता की प्रतिमाएं विराजित होंगे। दुर्गा पूजा से पहले कलाकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। कहीं मिट्टी से प्रतिमा को आकार दिया जा रहा है तो कहीं बारीक नक्काशी, रंग और सजावट के जरिए मां के दिव्य स्वरूप को निखारा जा रहा है। कलाकारों की महीनों की मेहनत हर ब्रश स्ट्रोक के साथ दुर्गा पूजा के स्वागत की तैयारियां और भव्य होती जा रही हैं।



रायपुर। वहीं 8 फीट की माता प्रतिमा जो 15 से 18 हजार तक में तैयार करते थे, वह अब 35 से 36 हजार रुपए पहुंच गए हैं। इस तरह से 15 से 20 फीट की मूर्तियां जो 1 से डेढ़ लाख रुपए में बनती थी, उनकी कीमत दोगुनी हो गई है। गौरतलब है कि शारदीय नवरात्रि को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में शहर के मूर्तिकला केंद्रों में माता प्रतिमाओं को साकार रूप देने मूर्तिकार दिन-रात जुटे हुए हैं। मूर्तिकारों का कहना है कि नवरात्रि के लिए माता की प्रतिमाएं तैयारी गणेश चतुर्थी के शुरूआत से ही कर देते हैं। क्योंकि माता की प्रतिमाएं तय समय पर पंडालों तक पहुंच सके

साकार रूप देने का काम चल रहा

माना स्थित श्रुति मूर्ति कला केंद्र के मूर्तिकार जय किसन नायक ने बताया कि माता की थीम बेस्ड प्रतिमाएं समितियों के ऑर्डर के मुताबिक तैयार कर रहे हैं। शारदीय नवरात्रि प्रारंभ से 4 दिन पहले प्रतिमाओं की डिलीवरी देनी होती है। इसलिए कला केंद्र में तेजी से माता की प्रतिमाओं को साकार रूप देने का काम चल रहा है।

50 हजार की जगह 1 लाख पहुंचा मेकिंग कास्ट

मूर्तिकारों ने बताया कि माता प्रतिमा की सोलहा श्रृंगार से लेकर मूलभूत निर्माण सामग्री की महंगाई में बेतहासा बढ़ोतरी से 50 हजार रुपए तक में तैयार हो जाने वाली सामान्य आकार की मूर्तियों की मेकिंग कास्ट अब 1 लाख रुपए तक आ रही है। इसके चलते समितियां अब न्यूनतम ऊंचाई की प्रतिमाए ही बनवाना पंसद कर रहे हैं। ताकि कम बजट में प्रतिमाएं पंडाल तक पहुंच सके।

भव्य गणेश झांकी सम्मान समारोह में उत्कृष्ट झांकियों को ईनामी राशि से नवाजा

गुढ़ियारी स्थित मां भारती विद्यालय में भव्य 'गणेश झांकी प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। यह आयोजन अखिल भारतीय संत समिति के तत्वावधान में किया गया। समारोह में गणेशोत्सव के दौरान शहर में निकाली गई मनमोहक और भव्य झांकियों का प्रदर्शन करने वाली समितियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय संत समिति द्वारा गणेश झांकी प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन



रायपुर। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दक्षिण कौशल के पीठाधीश्वर महंत राजीव लोचन दास, शक्तिधाम के पीठाधीश्वर संत दिवाकर दास महाराज तथा भाजपा नेता व वरिष्ठ समाजसेवी बसंत अग्रवाल उपस्थित रहे।

संतों के सानिध्य और आशीर्वाद से पूरा आयोजन स्थल भक्तिमय और ऊर्जावान हो गया। इस भव्य प्रतियोगिता में झांकियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए संजय अग्रवाल और अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने निर्णायक की अहम भूमिका निभाई। निर्णायकों ने झांकियों की आकर्षक सजावट, चुनी गई विषय-वस्तु, धुमाल की शानदार प्रस्तुति और समिति के सदस्यों के उत्साह व अनुशासन को मुख्य आधार बनाकर विजेताओं का निष्पक्ष चयन किया। समारोह में श्यामू तिवारी, राकेश शर्मा मनीष ठाकुर, देव नागरिया, सोमनाथ मिश्रा, शुभम यादव, राजा साहू सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी और झांकी कलाकार उपस्थित रहे।

इन समितियों ने मारी बाजी

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उत्कृष्ट झांकियों की घोषणा और पुरस्कार वितरण रहा। भगवान जगन्नाथ की मनमोहक झांकी बनाकर प्रतियोगिता में अपनी कला, सज्जा और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रीमनोकामना गणेशोत्सव समिति ने प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड और 51,000 का नकद पुरस्कार जीता। वहीं द्वितीय स्थान पर मॉडल क्लब कांतारा की झांकी को 31,000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दो समितियां रही, जिसमें श्रीविनायक गणेश उत्सव होली रास लीला झांकी समिति, श्रीआराध्या सुनीति मंडल कल्कि अवतार को 21,000 की सम्मान राशि व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली अन्य समितियों को भी 3100 रुपये और प्रतीक चिन्ह देकर उत्साहवर्धन किया गया।

सौ किताबों को एक बार पढ़ने से अच्छा है एक को ही सौ बार पढ़ें



रायपुर। शहर की शैक्षणिक एवं सामाजिक युवा संस्था में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को एक विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए डॉ. आरती शुक्ला दिल्ली की इंटरव्यूह पैनलिस्ट युवा संस्था पहुंची। युवा संस्था में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को यूपीएससी एवं सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में भी सफलता के लिए डेडिकेशन, अनुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत जरूरी है। विद्यार्थियों को ऐसे लोगों के साथ रहना चाहिए जो अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर हों और निरंतर अध्ययन कर रहे हों। विद्यार्थियों को सलाह दिया कि तैयारी के समय गैर जरूरी गतिविधियों, अत्यधिक मनोरंजन और समय की बर्बादी से कुछ समय के लिए दूरी बनाना चाहिए। आज की गई मेहनत और त्याग का परिणाम जब सफलता के रूप में सामने आएगी, तब विद्यार्थी अधिकारी बनता है। तब उससे ज्यादा खुशी परिवार को होती है। यहां तक पहुंचने के लिए सौ किताबों को एक बार पढ़ने से बेहतर है एक ही किताब को सौ बार पढ़ें।

पढ़ाई में मन लगाने और पीयर प्रेशर पर भी हुई चर्चा

मार्गदर्शन सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने पढ़ाई में मन नहीं लगने, मोटिवेशन की कमी, लक्ष्य को लेकर तनाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने जैसे अनेक प्रश्न पूछे। डॉ. शुक्ला ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल एवं सहज तरीके से उत्तर देते हुए उन्हें सकारात्मक सोच के साथ तैयारी जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अभी तक 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों का इंटरव्यूह ले चुकी हैं। देश के विभिन्न राज्यों के कोचिंग संस्थानों, विद्यालयों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और मोटिवेट किया है।

एनआईटी में नवाचार एवं सतत विकास पर आइडियाथॉन का समापन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता-नवीन तकनीकी दृष्टिकोण विकसित करने विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

कार्नर न्यूज

रायपुर। एनआईटी में आइडियाथॉन कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के माध्यम से समकालीन चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए विद्यार्थियों में नवाचार, समस्या-समाधान क्षमता और अंतरविषयक सोच को प्रोत्साहित करना रहा। आइडियाथॉन में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों के समक्ष सतत विकास लक्ष्यों पर आधारित 11 समस्या-वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीन तकनीकी दृष्टिकोणों को शामिल किया गया था, ताकि वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान विकसित किए जा सकें और वर्ष 2030 तक निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में योगदान दिया जा सके। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को दिए गए समस्या-वक्तव्यों पर नवीन विचार विकसित करने, समाधान तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन नवाचार, व्यवहार्यता, तकनीकी एकीकरण, सततता तथा संभावित सामाजिक प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर अंतरविषयक सहयोग के माध्यम से व्यावहारिक समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।





विजेता टीम हुई पुरस्कृत

समापन समारोह के दौरान विजेता टीमों को उनके नवीन विचारों और प्रभावी समाधानों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार 9,000, द्वितीय पुरस्कार 7,000 तथा तृतीय पुरस्कार 5,000 प्रदान किए गए। उल्लेखनीय योगदान और अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए 2,000 और 1,000 के सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रो. एस सन्याल डीन कॉर्पोरेट रिलेशंस एवं रिसोर्स मोबिलाइजेशन एनआईटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. बी मजूमदार प्रमुख रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग एनआईटी ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और नवाचार तथा उद्योग-उन्मुख शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों एवं आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय स्क्वैश प्रतियोगिता के लिए राज्यस्तरीय चयन कल रायपुर में



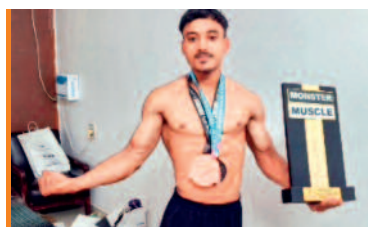
रायपुर। राजस्थान के जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम में 23 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं जूनियर स्क्वैश प्रतियोगिता' के लिए छत्तीसगढ़ राज्य टीम का चयन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्क्वैश संघ द्वारा इसके लिए चयन स्पर्धा (ट्रायल) का आयोजन 3 अक्टूबर को खेल परिसर, बूढ़ापारा (रायपुर) में किया जा रहा है। इच्छुक व पात्र खिलाड़ी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। चयन स्पर्धा में 11 वर्ष, 13 वर्ष, 15 वर्ष, 17 वर्ष और 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे।

छत्तीसगढ़ की बेटी ने राष्ट्रीय मल्लखंब में जीता स्वर्ण पदक



रायपुर। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की ऐतिहासिक नगरी झांसी (उत्तर प्रदेश) में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित 'अखिल भारतीय आमंत्रण मल्लखंब प्रतियोगिता' में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। देश के 14 राज्यों के लगभग 400 खिलाड़ियों की उपस्थिति के बीच जांजगीर-चाम्पा/पामगढ़ की शिक्षा दिनकर ने व्यक्तिगत मल्लखंब स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के प्रतिस्पर्धियों को पछाड़कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा, 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिका स्पर्धा में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले रही पामगढ़ की प्रज्ञा कुर्रे ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ मल्लखंब संघ के 24 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राज्य की ओर से पुष्कर दिनकर और प्रेमचंद्र शुक्ला ने तकनीकी अधिकारी व निर्णायक की भूमिका निभाई। दल प्रबंधक देवराज तिवारी (बिलासपुर) तथा प्रशिक्षक मंगलूराम उसेन्डी (नारायणपुर) थे। टीम में यशपाल, बरेठ, आयुषी, सिद्धार्थ, प्रतीक बंजारे, अभिजीत कुर्रे, समीर कुमार, रोशनी धीवर, हिमांशी, हुसैंती, निधि उसेन्डी सहित नारायणपुर जिले के खिलाड़ियों ने भी अपने खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, संघ के संरक्षक अनिल टाह, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, बिसन कसेर, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह, मनोज प्रसाद, मिलिंद भानदेव, मृणाल मूले, प्रशांत तिवारी, विशाल दुबे, कमलकिशोर निकुंज, किशोर कुमार वैष्णव एवं डॉ. प्रमोद यादव सहित संघ के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में छबिलाल ने जीता कांस्य पदक



जामगांव आर। दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के आगे गरीबी कभी रुकावट नहीं बन सकती।द इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है दुर्ग जिले के जामगांव आर स्थित अकतई गांव के एक साधारण मजदूर परिवार के बेटे छबिलाल निषाद ने। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में छबिलाल ने देशभर से आए 2500 से अधिक प्रतिभागियों को कड़ी टक्कर देते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। अकतई गांव के अत्यंत निर्धन मजदूर दंपति उदयराम निषाद और सरिता बाई निषाद के पुत्र छबिलाल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे अंचल में हर्ष का माहौल है। छबिलाल के गांव लौटने पर उनकी चाची व अकतई की सरपंच माधुरी नरोत्तम निषाद तथा सरपंच प्रतिनिधि नरोत्तम निषाद ने उनका आत्मीय स्वागत किया। नरोत्तम निषाद ने कहा कि छबिलाल की इस सफलता ने क्षेत्र के युवाओं में एक नया उत्साह और प्रेरणा भरने का काम किया है।

नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट अगले माह

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के द्वारा नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट का आयोजन 14 से 16 नवंबर तक हैदराबाद में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भारत के लगभग 700 जिले भाग लेते हैं। जिसमें प्रत्येक जिले से 13 खिलाड़ी एवं एक प्रबंधक व प्रशिक्षक शामिल होते हैं।

संभालिए अपना दिल, स्थिति होती जा रही गंभीर

घटती उम्र और बढ़ता खतरा, युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनीं हृदय संबंधी बीमारियां

हृदय रोग लंबे समय से वैश्विक स्तर पर एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है, लेकिन वर्ष 2026 के मौजूदा दौर में इसका स्वरूप और भी अधिक चिंताजनक हो गया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बीते सात वर्षों में भारत में हृदय रोग के मामलों में लगभग तीन गुने की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है। पहले जहाँ दिल की बीमारियों को ढलती उम्र की समस्या माना जाता था, वहीं अब 15 से 29 वर्ष के युवा भी इसकी ज़द में आ रहे हैं। साल 2026 में सामने आई मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि युवाओं में सडन कार्डिएक अरेस्ट (अचानक दिल का दौरा) के मामलों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। कहीं जिम में कसरत के दौरान, तो कहीं गरबा या शादियों में डांस करते समय अचानक कार्डिएक अरेस्ट से मौतों के कई मामले रिपोर्ट किए गए हैं। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (CSI) और नवीनतम शोधों के अनुसार, बीते एक दशक में 40 वर्ष से कम आयु के लोगों में हृदयघात के मामलों में 30% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, छोटे बच्चों में भी हृदय संबंधी समस्याएं देखी जा रही हैं, जिनमें से अधिकतर मामले जन्मजात हृदय दोष (Congenital Heart Defects) से जुड़े हैं।



आईसीएमआर (ICMR) का अलर्ट: क्या हैं समय से पहले दिल के दौरों के कारण?

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) के हालिया अध्ययनों में 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं में अचानक हुई असामयिक मौतों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। इस शोध में पाया गया कि पोस्ट-कोविड दुष्प्रभावों के अलावा पारिवारिक जेनेटिक इतिहास, गंभीर मानसिक तनाव, अत्यधिक धूम्रपान, मद्यपान, और शारीरिक श्रम की कमी इसके मुख्य कारण हैं। विशेषज्ञों और स्वास्थ्य मंत्रालय के परामर्श के अनुसार, जिन लोगों को कोविड-19 का गंभीर संक्रमण रहा है या जिनकी मेडिकल हिस्ट्री संवेदनशील है, उन्हें बिना चिकित्सकीय सलाह के अचानक अत्यधिक कठिन शारीरिक परिश्रम या भारी व्यायाम करने से बचना चाहिए।



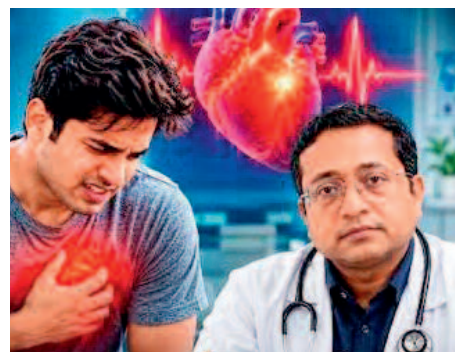
पश्चिमी देशों की तुलना में एक दशक पहले भारतीय हो रहे शिकार

स्वास्थ्य डेटा दर्शाता है कि भारत में हृदय रोग अन्य देशों की तुलना में लगभग एक दशक पहले दस्तक दे रहा है। हमारे देश में हृदयघात के कुल मामलों में लगभग 50% पीड़ित 50 वर्ष से कम आयु के हैं और 25% मरीज 40 वर्ष से कम उम्र के हैं।

खान-पान में रिफाइंड पाम ऑयल का बढ़ता उपयोग, अत्यधिक सोडियम (नमक) का सेवन, तनाव, जंक फूड, वायु प्रदूषण और अनियंत्रित दिनचर्या ने कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर व कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ा दिया है।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए बचाव के उपाय

हृदय रोग विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि कार्डिएक



हेल्थ के खतरे अब किसी एक उम्र तक सीमित नहीं हैं। ऐसे में बचाव ही सबसे कारगर उपाय हैः

संतुलित जीवनशैलीः प्रोसेस्ड और अत्यधिक वसायुक्त भोजन से परहेज करें। संतुलित और फाइबर-युक्त आहार (पौधों पर आधारित आहार) को अपनी प्राथमिकता बनाएं। नियमित जांच (स्क्रीनिंग): वर्ष में कम से कम एक या दो बार ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी (ECG) की जांच अवश्य कराएं।

लक्षणों को न करें नजरअंदाजः सीने में जकड़न, असामान्य पसीना आना, कंधों में दर्द या सांस फूलने जैसे लक्षणों को एसिडिटी या सामान्य थकान समझकर खारिज न करें। मानसिक स्वास्थ्य व व्यायामः तनाव प्रबंधन के लिए योग और ध्यान अपनाएं। अत्यधिक भारी वर्कआउट अचानक शुरू करने से पहले अपनी शारीरिक स्थिति की जांच कराएं।



अनियंत्रित ब्लड शुगर से हो सकता है 'डायबिटिक फुट', रहें सचेत

मधुमेह (डायबिटीज) को अक्सर केवल आंखों की रोशनी कमजोर करने, किडनी को नुकसान पहुंचाने या हृदय रोगों का कारण बनने वाली बीमारी के रूप में देखा जाता है। लेकिन साल 2026 में सामने आए वैश्विक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़े एक और गंभीर संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। यदि आपका ब्लड शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, तो यह 'डायबिटिक फुट' (Diabetic Foot) नामक खतरनाक स्थिति का रूप ले सकता है, जिसमें संक्रमण फैलने पर मरीज को अपने पैर की उंगलियां या पूरा पैर तक कटवाना (Amputation) पड़ सकता है।

2026 के ताज़ा आंकड़ेः भारत में गहराता संकट

डायबिटीज का बढ़ता दायराः इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) और स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम 2025-2026 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक स्थिति में हैं। डायबिटिक



फुट के मामलेः मधुमेह से पीड़ित लगभग 15% से 25% मरीज अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार 'डायबिटिक फुट अल्सर' (DFU) का शिकार होते हैं।

गंभीर परिणामः आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हर साल लगभग 1 लाख से अधिक लोगों को अनियंत्रित शुगर के कारण अपने पैर या उसके हिस्से की एम्प्यूटेशन (सर्जरी) करानी पड़ती है। वैश्विक स्तर पर स्थिति इतनी गंभीर है कि हर 20 सेकंड में मधुमेह के कारण एक व्यक्ति अपना पैर गंवाता है।

शुगर का सामान्य स्तर और खतरे का संकेत

चिकित्सकों के अनुसार, एक सामान्य व्यक्ति का फास्टिंग (खाली पेट) ब्लड शुगर 70 से 100 mg/dL के बीच होना चाहिए। यदि भोजन के बाद (Postprandial) आपका शुगर लेवल लगातार 130 से 140 mg/dL या इससे अधिक बना रहता है, तो यह खतरे की घंटी है। लंबे समय तक ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहने से शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाएं (Blood Vessels) और नसें (Nerves) बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने लगती हैं।

क्या है 'डायबिटिक फुट' और यह क्यों होता है?

एंडोक्राइनोलॉजिस्ट्स और वैस्कुलर सर्जन्स के अनुसार, यह समस्या मुख्य रूप से दो कारणों से होती हैः डायबिटिक न्यूरोपैथी (नसें क्षतिग्रस्त होना): पैरों की नसों को नुकसान पहुंचने के कारण मरीज के पैरों की संवेदनशीलता (Sensation) खत्म हो जाती है। पैरों में दर्द, झुनझुनी, जलन या सुन्नता महसूस होती है। संवेदनशीलता घटने के कारण कोई छोटी-मोटी चोट, कट या छिलाव का मरीज को पता ही नहीं चलता। पेरिफेरल आर्टरी डिजीज (रक्त संचार में कमी): नसों के साथ-साथ पैरों तक पहुंचने वाला खून का बहाव बाधित हो जाता है। रक्त संचार कम होने से कोशिकाएं धीरे-धीरे मृत (Necrotic) होने लगती हैं ।



खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए 169 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम





रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु रायपुर स्थित विभिन्न गैर-आवासीय खेल अकादमियों में खिलाड़ियों के प्रवेश (नवीनीकरण एवं नवीन प्रवेश) के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल गुरुवार को संपन्न हुआ। तीरंदाजी (बालक/बालिका) के लिए तीरंदाजी एरिना के सामने, फुटबॉल (बालिका) एवं एथलेटिक्स (बालक/बालिका) के लिए स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा तथा हॉकी (बालक/बालिका) के लिए हॉकी स्टेडियम पिच-2 में आयोजित चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

चयन ट्रायल के अंतिम दिन गुरुवार को चारों खेलों में पंजीकृत कुल 169 खिलाड़ियों की कौशल दक्षता का कड़ाई से परीक्षण किया गया। वरिष्ठ प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों ने हॉकी और फुटबॉल के 57-57, तीरंदाजी के 23 और एथलेटिक्स के 32 खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया। खिलाड़ियों के सटीक मूल्यांकन के लिए खेल के मानकों के आधार पर दक्षता परीक्षण किया गया।

प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों ने फुटबॉल में पासिंग, ड्रिबलिंग, व्यक्तिगत पोजीशन, मैच सेंस और पोजिशनिंग गेम का परीक्षण किया। वहीं आर्चरी में ड्रॉ लेंथ, आई डोमिनेंस, पोस्चर, मेंटल एबिलिटी तथा 20 मीटर शूटिंग का परीक्षण किया गया। एथलेटिक्स के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर दौड़, पैदल चाल, हाई जंप, लॉन्ग जंप, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक इत्यादि का परीक्षण किया गया। हॉकी में परफेक्शन और एक्युरेसी स्किल टेस्ट के तहत हिट, पुश, स्कूप, स्टॉपिंग, रिसीविंग, टैकलिंग, क्लीयरेंस, पेनल्टी कॉर्नर इंजेक्टर, ड्रैगर, हिटर और गोलकीपर के लिए टी-टेस्ट जैसी तकनीकी योग्यताओं का बारिकी से आकलन किया गया।

केरल राष्ट्रीय पिकलबॉल में छत्तीसगढ़ की टीम दिखाएगी दम

रायपुर। भारतीय पिकलबॉल संघ के तत्वावधान में 'केरल पिकलबॉल संघ' द्वारा आयोजित 10वीं राष्ट्रीय पिकलबॉल प्रतियोगिता 2026 में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ की 55 सदस्यीय टीम कोच्चि (केरल) पहुंच गई है। यह प्रतियोगिता 2 से 4 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है।

प्रस्थान से पूर्व छत्तीसगढ़ पिकलबॉल संघ की ओर से सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट और प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुमित कटारिया, संदीप शर्मा, अमित जिंदल और शाजी लुकोसे ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। छत्तीसगढ़ पिकलबॉल संघ के सचिव रूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि टीम में राज्य के प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैंः पुरुष वर्ग (ओपन): राज्य विजेता विशाल निषाद, मोनेश यादव, लुकेश नेताम, प्रेम ध्रुव। महिला वर्ग (ओपन): राज्य विजेता



जितेश्वरी साहू, मेघा, उर्वशी बंजारे, दिनेश्वरी तांडी, पूर्णिमा सोनकर। 14 वर्ष से कम (बालक व बालिका): राष्ट्रीय वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आरिश आगा चौबे, अनिकेत अग्रवाल, संध्या पटेल, श्रेया साव, चाहना मंजार, निधि अग्रवाल। 12 वर्ष से कम (बालक व बालिका): रिधान गोयनका, अथर्व पांडे, आर्यवीर सिंह, संध्या, भद्रकार्निका। 10 वर्ष से कम (बालक व बालिका): अद्वेत सिंह, भद्रकार्निका। 16 वर्ष से कम (बालक): देवाशीष मांझी, अयान सरवत, हर्ष बरडिया, लक्ष्य अग्रवाल। 19 वर्ष से कम (बालक व बालिका): विशाल ध्रुव, जसराज सिंह, आगम अग्रवाल, संस्कृति पांडे, यशीता अग्रवाल, श्रेया अग्रवाल। वरिष्ठ एवं अति-वरिष्ठ वर्गः 35 वर्ष से अधिक (महिला): सरवत फातिमा,50 वर्ष से अधिक (महिला व पुरुष): शिल्पी मटरेजा, भावना चौहान, दर्शन आरोन, 60 वर्ष से अधिक (पुरुष): अतुल आटले अन्य खिलाड़ी व दल सदस्यः दुलेश्वर साहू, अनुरंजन नथेनियल, मेहुल वर्मा, रिग्नेश शुक्ला, गुलशन कंवर, जय सिवान, श्याम कुकरेजा, शितांशु तिवारी, वीर कौशिक, संयम कुकरेजा, आयुष्मान सिंह, कोमल व यशवंत (युगल), सत्यम व सदानी (युगल), अभिषेक गुप्ता और रितेश यादव शामिल हैं। टीम की प्रशिक्षक काजल हैं।

बच्चों के बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूर सिखाएं योगासन, तंदरुस्ती बरकरार रहेगी आगे भी

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एक मार्ग की तरह है। शिक्षा प्राप्त करने बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल में बच्चों को हर दिशा में निपुण बनाने के लिए कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अक्सर बच्चे किसी विषय में कमजोर होते हैं, जिस पर उन्हें अधिक ध्यान लगाने की जरूरत होती है। वहीं कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं, जिसके लिए वह घंटे पढ़ाई करते हैं। हालांकि घंटों बैठकर पढ़ने से अक्सर बच्चों को अनिद्रा, आंखों में जलन, सिर दर्द या शरीर दर्द जैसी समस्या भी होने लगती हैं। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न होने पाने की शिकायत भी आम है। अगर आपका बच्चा भी स्कूल व कोचिंग की घंटो क्लास लेता है, या अपने कमरे में बैठकर घंटों पढ़ाई करता है, तो उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ सकता है। बच्चे को शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने की भी जरूरत होती है और मस्तिष्क को आराम देना भी जरूरी होती है। ऐसे में यहां कुछ योगासनों के बारे में जानकारी दी जा रही है। अगली स्लाइड्स में जानिए घंटों बैठकर पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए योग।

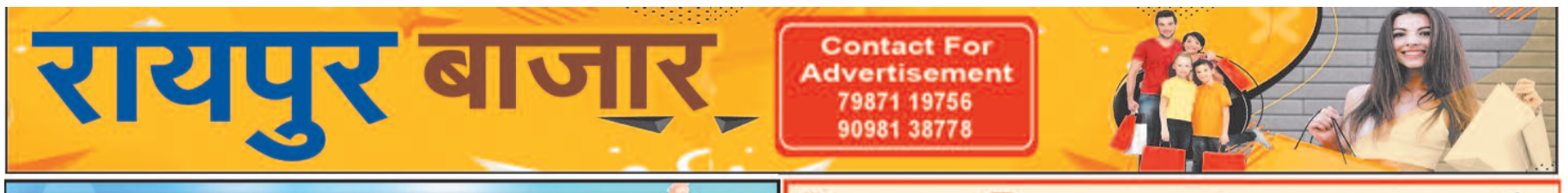


ध्यान केंद्रित करने के लिए योग- पढ़ाई करते समय अक्सर बच्चों को ध्यान केंद्रित नहीं होता। इस कारण उनका मन भटकता रहता है और पढ़ाई में मन नहीं लगता। लगातार किताब लेकर बैठने का अर्थ पढ़ाई करना नहीं होता। बच्चा पढ़ाई पर फोकस कर सके, इसलिए वृक्षासन का अभ्यास कराएं। इस योग से शरीर का संतुलन बना रहता है और ध्यान एकाग्र करने में मदद मिलती है।

वृक्षासन के अभ्यास का तरीका- वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए दाएं पैर को मोड़कर तलवे को बाएं पैर की जांघ पर रखें। इस स्थिति में संतुलन बनाएं और हाथों को जोड़ते हुए सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की मुद्रा ले लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें, बाद में दूसरे पैर से भी प्रक्रिया को दोहराएं।

आंखों को आराम देने के लिए योग- लगातार पढ़ाई से आंखों में दर्द होने लगता है और नजर कमजोर होने की शिकायत भी हो सकती है। आंखों को आराम देने और नजर तेज करने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से फेफड़ों, कानों और नाक पर भी असर होता है।

भस्त्रिका प्राणायाम का तरीका- इस आसन को करने के लिए सुखासन की मुद्रा में बैठकर गर्दन और रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें।







फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'डिगर' में दिखेगा हास्य और भावनाओं का संगम, सैंड्रा और गुडमैन भी निभाएंगे मुख्य भूमिकाएं

टॉम क्रूज और चार बार के ऑस्कर विजेता निर्देशक अलेक्जेंड्रो गों जा ले ज पहली बार आए साथ; हॉलीवुड के महानायक टॉम क्रूज और चार बार के ऑस्कर पु र स्का र

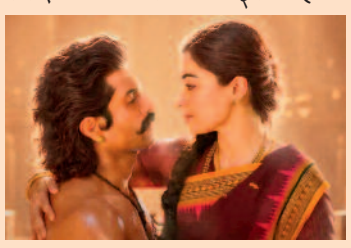


विजेता प्रसिद्ध निर्देशक अलेक्जेंड्रो गोंजालेज इनारितु एक बेहद अनूठे और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आए हैं। उनकी आने वाली नई हास्य-नाटक (कॉमेडी-ड्रामा) फिल्म 'डिगर' की आधिकारिक घोषणा के बाद से ही दुनिया भर के सिनेमा प्रेमियों और प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। बेहतरीन मारधाड़ (एक्शन) वाली फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले टॉम क्रूज को एक नए और अनूठे अंदाज में देखने के लिए दर्शक उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। फिल्म 'डिगर' एक अलग तरह का सिनेमाई अनुभव साबित होने जा रही है। यह महज एक सामान्य हास्य फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें गहरी मानवीय संवेदनाओं, आत्मीय संबंधों और जीवन की जटिलताओं को एक अनूठे तथा मनोरंजक अंदाज में पेश किया जाएगा। निर्देशक अलेक्जेंड्रो गोंजालेज इनारितु, जो अपनी लीक से हटकर और विचारोत्तेजक फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, इस बार दर्शकों के लिए एक बिल्कुल नया और अनूठा सिनेमाई अनुभव लेकर आ रहे हैं। फिल्म 'डिगर' की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसकी उत्कृष्ट कलाकार-मंडली (स्टारकास्ट) है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे टॉम क्रूज के साथ-साथ विश्व के कई जाने-माने और अनुभवी कलाकार नजर आने वाले हैं। अपनी शानदार अभिनय क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकीं अभिनेत्री सैंड्रा हुलर फिल्म में एक बेहद महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगी।

टॉलीवुड

'गीता गोविंदम' के बाद फिर साथ दिखी जोड़ी, विजय और रश्मिका की 'रणबली' इस माह

द क्षि ण भा र ती य सिनेमा की स ब से पसंदीदा और लो क प्रि य जोड़ियों में से एक, विजय



देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में अपनी बेमिसाल जुगलबंदी से दर्शकों का दिल जीतने वाली यह जोड़ी अब अपनी आगामी फिल्म 'रणबली' के माध्यम से एक बार फिर वापसी कर रही है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दोनों के प्रशंसकों के बीच बेहद उत्साह का माहौल बना हुआ है।
फिल्म 'रणबली' साधारण प्रेम कहानी या आधुनिक नाटक न होकर, एक बेहद भव्य और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म की कहानी उन्नीसवीं सदी के औपनिवेशिक भारत के दौर में रची गई है। फिल्म में उस दौर के संघर्ष, राष्ट्रभक्ति, साहस और ऐतिहासिक वातावरण को बेहद करीब से दर्शाया जाएगा। यह एक भारी-भरकम और बड़े बजट की ऐतिहासिक मारधाड़-प्रधान (पीरियड एक्शन-ड्रामा) फिल्म है, जिसमें मारधाड़, भावनाएं और बेहतरीन कथा-शिल्प का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।
फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसके निर्देशन की कमान जाने-माने निर्देशक राहुल संकृत्यान संभाल रहे हैं। राहुल संकृत्यान अपनी अनूठी कहानी कहने की शैली और बड़े पर्दे पर भव्य दृश्य रचने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक दौर को प्रामाणिक और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने के लिए फिल्म के मंच (सेट), पहनावे और विशेष प्रभावों पर व्यापक निवेश किया जा रहा है, जिससे यह फिल्म एक अभूतपूर्व सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है।

भोजपुरी

ट्रेंडिंग स्टार खेसारी का दिखा रौद्र रूप, आकांक्षा और नीलम के संग आ रहे 'अग्नि परीक्षा' में

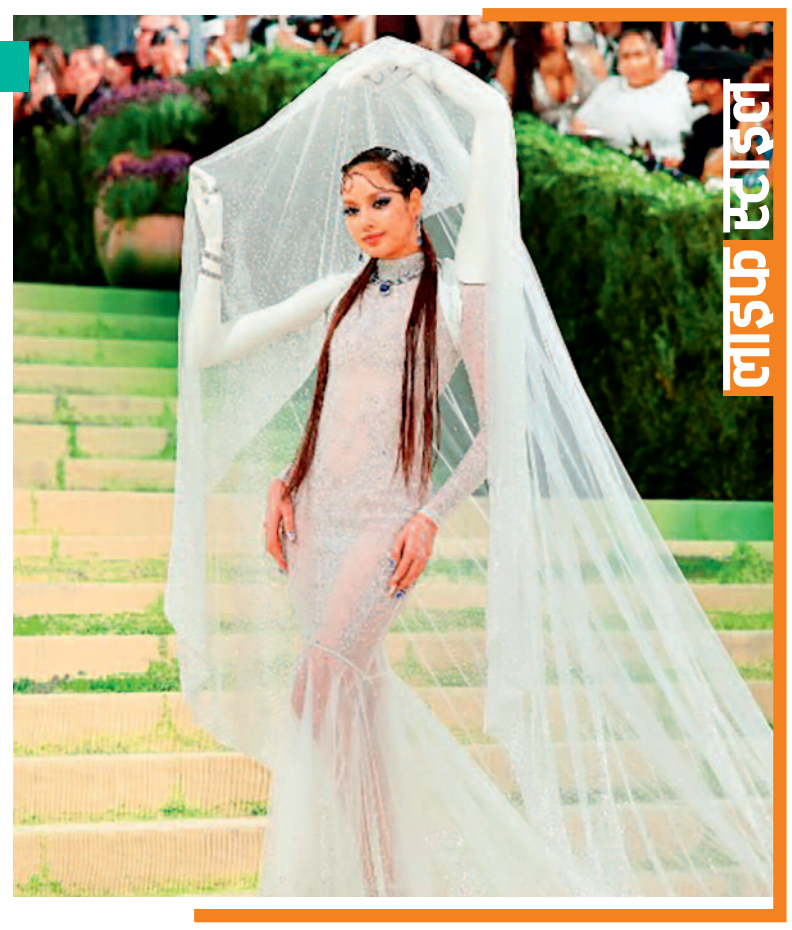
भोजपुरी सिनेमा जगत के जाने-माने अभिनेता और 'ट्रेंडिंग स्टार' के नाम से मशहूर खेसारी लाल यादव अपनी नई और बहुप्र तीक्षित फिल्म 'अग्नि परीक्षा' को



लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। हाल ही में निर्माताओं द्वारा इस फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही हलचल मचा दी है। पोस्टर में खेसारी लाल का अंदाज बेहद अलग और आक्रामक नजर आ रहा है, जिसे देखकर उनके प्रशंसकों और भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म के जारी हुए पहले पोस्टर में खेसारी लाल यादव एक बेहद निडर, आक्रामक और उग्र रूप वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर की बनावट और रंग-संयोजन से यह साफ झलक रहा है कि फिल्म की कहानी अन्याय के खिलाफ जंग और प्रतिशोध के मुख्य विचार (थीम) पर आधारित हो सकती है। खेसारी का यह सशक्त और मारधाड़ से भरपूर अंदाज उनके अब तक के अभिनय सफर के सबसे मजबूत किरदारों में से एक माना जा रहा है। पोस्टर सामने आते ही प्रशंसकों ने इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं और यह पोस्टर विभिन्न इंटरनेट मंचों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। फिल्म 'अग्नि परीक्षा' की एक और बड़ी विशेषता इसकी कलाकार-मंडली है। इस फिल्म में खेसारी लाल यादव के साथ दो-दो मुख्य अभिनेत्रियां अपनी अदाकारी का जादू बिखेरती नजर आएंगी।

रेड कारपेट पर चांदी

फैशन की भव्य परेड 'मेट गाला' के लाल कालीन (रेड कारपेट) पर भारतीय उद्यमी मोना पटेल ने अपनी अत्यंत आकर्षक और तकनीकी रूप से उन्नत 'गतिशील पोशाक' (काइनेटिक ड्रेस) के साथ पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर आइरिश वैन हर्पेन द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई इस मनमोहक तटस्थ रंग (न्यूट्रल शेड) की पोशाक में हाथों के समीप तितलियों की भांति गति करती पंखुड़ियां शामिल थीं, जिसने कार्यक्रम की 'समय का उद्यान' (द गार्डन ऑफ टाइम) विषय-वस्तु को नए और अद्भुत आयाम प्रदान किए।



होठों की रंगत के मुताबिक चुनें लिपस्टिक शेड्स

कई बार शीघ्रता में तैयार होते समय हम अपने लिए लिपस्टिक का सही रंग नहीं चुन पाते और इसी कारण अपने पूरे रूप (लुक) को बिगाड़ लेते हैं। यहाँ कुछ ऐसे लिप शेड्स दिए जा रहे हैं जिन्हें आप विशेष रूप से इस त्यौहारों के मौसम में आजमा सकती हैं और अपनी सुंदरता में चार चांद लगा सकती हैं।
गहरे लाल और मैरून रंग की भव्यता
यदि आप गहरे और स्पष्ट रंग लगाना पसंद करती हैं, तो लाल रंग श्रेणी में से मैरून रंग का चुनाव कर सकती हैं। हालांकि मैरून रंग में भी कई शेड्स आपको मिल जाएंगे, परंतु किसी भी रंग को चुनने से पूर्व अपनी त्वचा की रंगत (स्किन टोन) का विशेष ध्यान रखें। वैसे यह रंग लगभग हर प्रकार की त्वचा पर अत्यंत सुंदर दिखाई देता है।

तटस्थ रंग और चमक (न्यूट्रल शेड्स एवं ग्लॉस)

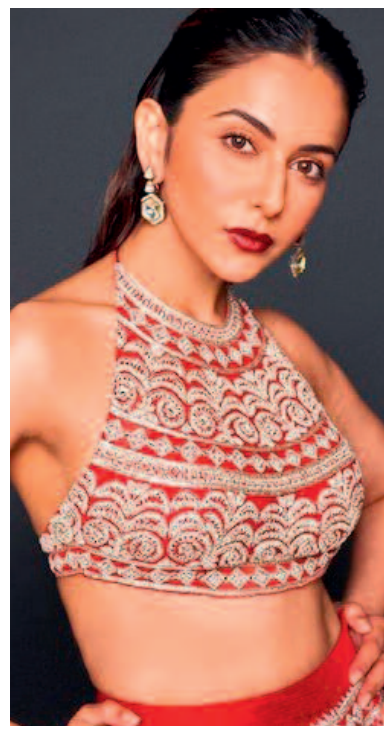
यदि आप मैट रंग से ऊब चुकी हैं और चमकदार लुक अपनाना चाहती हैं, तो किसी भी तटस्थ (न्यूट्रल) रंग की लिपस्टिक लगाकर होठों पर ग्लॉस का प्रयोग कर सकती हैं। रूप को आकर्षक बनाने के लिए आप मुख्य मेकअप (बेस मेकअप) पर भी थोड़ा ध्यान अवश्य दें।

भूरे रंग (ब्राउन शेड्स) का बढ़ता आकर्षण

भूरे रंग की लिपस्टिक को काफी पसंद किया जाने लगा है और यह रंग लगभग हर प्रकार की त्वचा रंगत पर खिलता है। इस रंग समूह में आपको हल्के स्वाभाविक शेड्स (न्यूड शेड्स) से लेकर गहरे और आकर्षक रूप देने वाले भूरे रंग भी आसानी से मिल जाएंगे।

गुलाबी रंगत (ब्लश पिंक) से पाएं निखार

ब्लश पिंक लिपस्टिक रंग विशेष रूप से गोरी त्वचा पर अत्यंत सुंदर दिखता है। इस रंग को आप हल्का-फुल्का बेस मेकअप करके ही होठों पर लगाएं। ऐसा करने से आपका चेहरा बेहद खिला-खिला नजर आने लगेगा। साथ ही गालों के आकर्षण (ब्लश) के लिए भी आप ब्लश पिंक रंग का ही चयन करें।



जैकेट से संवारें अपनी पहनावा शैली, साधारण टिप्स देंगे आकर्षक लुक



जैकेट पहनना सभी को पसंद होता है, इसीलिए लगभग हर किसी के वस्त्र-संग्रह (वॉर्डरोब) में एक जैकेट अवश्य होती है। परंतु क्या जैकेट पहनने के बाद आपका पहनावा पूरी तरह से सही और आकर्षक दिखाई देता है?
यदि नहीं, तो कुछ विशेष ड्रेसिंग टिप्स आपकी सहायता कर सकते हैं। ये वे उपाय हैं जो जैकेट को सही तरीके से पहनना सिखाएंगे और बताएंगे कि आप कि न - कि न माध्यमों से जैकेट को बेहतर ढंग से ढाल सकते हैं। इन उपायों के साथ आपका फैशन स्तर उत्तम होगा, इस बात की पूरी संभावना है:



आ रा म दा य क वस्त्रों के साथ संयोजनः फैशन विशेषज्ञों के अनुसार जैकेट हर प्रकार के वस्त्र पर अच्छी लगती है, बस शर्त इतनी है कि आपका पहनावा आरामदायक (कैजुअल) और थोड़ा ढीला (ओवरसाइज) होना चाहिए।

धारियों वाली शर्ट और चीनोस

ग्रीष्मकाल में जैकेट को स्टाइल करना हो, तो अपनी धारियों (स्ट्राइप्स) वाली शर्ट को पहनावे में शामिल कर लीजिए। इसके साथ आप एक कैजुअल और छुट्टियों वाले मूड में आ जाएंगे। हालांकि इसके साथ सामान्य पैंट या जींस के स्थान पर 'चीनोस' पहनें, इससे आपका लुक सबसे बेहतरीन आएगा।

फार्मल पैंट के साथ तालमेल

जब आपको एक समझदार और कैजुअल लुक चाहिए हो, तो आप औपचारिक (फॉर्मल) पैंट के साथ जैकेट का तालमेल बिठाएं, इससे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली दिखेगा।

चांदी की पायल की चमक लौटाएं घरेलु उपाय से

कई बार चांदी की पायल इतनी अधिक काली पड़ जाती है कि उसे घर में साधारण तरीके से साफ करना कठिन हो जाता है। इसके लिए फिर ज्वैलर्स के पास जाना पड़ता है। परंतु अब आपको ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप अपनी चांदी की पायल को पुनः बिल्कुल नई जैसी चमकीली बनाना चाहते हैं, तो ये घरेलू उपाय सबसे सरल हैं:

नमक और नींबू का घोल

सबसे पहले एक कटोरे में थोड़ा गुनगुना पानी लें। उसमें कम से कम तीन चम्मच नमक मिलाएं और एक पूरा नींबू निचोड़ लें। इसके पश्चात अपनी काली पड़ी पायल को उस पानी में डाल दें। कुछ समय तक पानी में डूबे रहने के बाद जब आप पायल को बाहर निकालेंगे, तो वह बिल्कुल नए जैसी चमकने लगेगी।
सिरका और बेकिंग सोडा का प्रयोग
सिरके की सहायता से भी चांदी की पायल को आसानी से स्वच्छ किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें 3 चम्मच सिरका मिलाएं। इसके



साथ ही इसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा भी मिलाएं। अब चांदी के आभूषणों को इस घोल में 2 से 3 घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद आभूषणों को ठंडे पानी से धोकर निकालें और सूखने दें। आपकी चांदी की पायल पुनः नई जैसी चमक उठेगी।

टैटू कला से युवा निखारें अपनी छवि

आजकल अपने शरीर पर टैटू बनवाने का एक नया दौर शुरू हो चुका है। मोहित सूरी की फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में अभिनेता अर्जुन कपूर के नए रूप ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। अर्जुन फिल्म में शरीर पर कई टैटू गुदवाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसने उनके व्यक्तित्व को और अधिक निखार दिया है।
हाल ही में अर्जुन ने सोशल मीडिया पर अपने टैटू वाले इस नए रूप की एक झलक साझा की है। तस्वीरों को साझा करते हुए अर्जुन ने टैटू के प्रति अपने विशेष लगाव के बारे में बात की और इसे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा, ₹यह आकर्षक, सुंदर और प्रभावशाली है। मैं इसे बेहद पसंद करता हूँ। मैं हमेशा से अपनी फिल्मों में टैटू बनवाना चाहता था और यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि मुझे टैटू से गहरा लगाव है। मेरे लिए ये हमेशा व्यक्तिगत होते हैं। मैं हमेशा बेहतरीन डिजाइनों की खोज में रहता हूँ और लोगों से इस विषय पर चर्चा करता हूँ कि मेरा अगला डिजाइन क्या होगा।₹
'संदीप और पिंकी फरार' के अभिनेता ने इस बात पर भी बल दिया कि वह 'एक विलेन रिटर्न्स' में कुछ बेहद प्रभावशाली टैटू के साथ दिखाई देंगे, जो फिल्म में उनके चरित्र और व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं। टैटू



के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, ₹टैटू बनवाने का हर व्यक्ति के लिए एक अलग अर्थ होता है, मेरे लिए यह हमेशा अपनी आत्मा के एक हिस्से को अपने शरीर पर उकेरने जैसा है।

कार्नर न्यूज

सिर्फ 15 मिनट में पा सकती हैं आप भव्य और आकर्षक रूप

सीधे पल्ले की साड़ी का फैशन लाएगा आपके रूप में निखार त्योहारों और शादियों में अपनाएं यह खास पारंपरिक रूप

त्यौहारों का आगमन हो रहा है और इसके पश्चात विवाह का अवसर प्रारंभ होने वाला है। पितृपक्ष के समापन के बाद नवरात्रि, दशहरा और दीपावली की धूम रहेगी, जिसके तुरंत बाद शादियों की रौनक छा जाएगी। ऐसे में आपने भी अपने वस्त्र-संग्रह (वॉर्डरोब) में से भारी-भरकम साड़ियों को बाहर निकाल लिया होगा। परंतु जब इन्हें पहनने की बात आती है, तो बहुधा हम यही सोचते हैं कि इन्हें किस प्रकार से धारण किया जाए ताकि यह दिखने में सुंदर लगे और हमारा रूप भी निखर कर आए।
ऐसे में सबसे पहला विचार यही आता है कि इस बार सीधे पल्ले की साड़ी को आजमाया जाए। यह एक पारंपरिक साड़ी पहनने की शैली है, जिससे अत्यंत शालीन और सुंदर रूप मिलता है। यद्यपि इसे बांधना बहुत सरल नहीं है, परंतु आप यहाँ बताई गई सहज शैलियों में इसे आसानी से धारण कर सकती हैं:

प्लीटेड पल्ला शैली

यदि आपको सीधे पल्ले की साड़ी बांधना अच्छे से नहीं आता, तो आप



सीधे पल्ले के लिए व्यवस्थित प्लीट्स (परतों) वाली शैली बना सकती हैं। यह काफी सरलता से बन जाती है। इसे बांधने के लिए सर्वप्रथम साड़ी के पल्ले की लंबाई थोड़ी अधिक रखें। पहले साड़ी की निचली प्लेट्स बनाकर टक करें, तत्पश्चात पल्ले की पतली-पतली प्लेट्स बनाकर उन्हें अच्छे से व्यवस्थित करें। सुरक्षा पिन की सहायता से इसे कंधे पर सुरक्षित कर लें। इस प्रकार से आपकी सीधे पल्ले की साड़ी मात्र 15 मिनट में बंध जाएगी। आप चाहें तो कमर पर बेल्ट (कमरबंद) लगाकर भी इसे आधुनिक रूप दे सकती हैं।

जलपरी (मरमेड) शैली

विवाह के आयोजनों में आप मरमेड शैली में भी सीधे पल्ले की साड़ी बांध सकती हैं। इसके लिए प्रसिद्ध साड़ी ड्रैपिंग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए तरीके अपनाए जा सकते हैं। इसमें पल्ले को आगे की तरफ लाकर खूबसूरती से पिन किया जाता है और निचले हिस्से को शरीर के आकार के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है, जिससे साड़ी नीचे से जलपरी के आकार जैसी दिखाई देती है। यह शैली आपको किसी भी विवाह समारोह में एक विशिष्ट आकर्षण प्रदान करेगी।

मुक्त पल्ला (फ्री पल्ला) शैली

आप चाहें तो मुक्त पल्ले (फ्री पल्ला) वाली शैली भी अपना सकती हैं। इस तरीके से साड़ी पहनना अत्यंत आरामदायक और आकर्षक लगता है। इसे बांधना बेहद सरल है; इसके लिए आपको सीधे पल्ले को बिना प्लेट्स बनाए मुक्त शैली में कंधे पर पिन करना होता है। इस शैली को आप चाहें तो लहंगे के साथ भी आजमा सकती हैं। इस बार सामान्य साड़ी के स्थान पर सीधे पल्ले की साड़ी धारण करें, आपका रूप अत्यंत मनमोहक नजर आएगा।

